दैनिक
# इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-32 भोपाल, सोमवार 13 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

**आज का सुविचार**

विद्यार्थी की सच्ची सुंदरता उसके गुणों और योग्यता में है, न कि बाहरी फैशन में है।
- प्रेमचंद

**पंचांग**

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष
दशमी, सोमवार 22
विक्रम, संवत 2078

**मौसम**

| | |
|---|---|
| सूर्योदय/सूर्यास्त | 6:40/5:36 |
| वर्षा/बादल % | 00 % |
| नमी % | 46 % |
| वायु (किमी/घं.) | 08 |
| तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.) | |

**स्वर्ण दर 24 कैरेट**

प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,570

### भाजपा विधायक दिग्विजय नारायण चौबे एसपीस में शामिल

भाजपा। विधायक दिग्विजय नारायण चौबे, BSP से निष्कासित विधायक विनय शंकर तिवारी और पूर्व सांसद कुशल तिवारी आज समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की उपस्थिति में लखनऊ में इन्हें पार्टी का सदस्यता दिलाई गई। क्र में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूर्वांचल की राजनीति के लिहाज से इसे BJP और BSP के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

### MSP की गारंटी के लिए वरुण गांधी लाएंगे प्राइवेट मेंबर बिल

**नई दिल्ली।** पीलीभीत से BJP सांसद वरुण गांधी लगातार अपनी ही पार्टी के खिलाफ मुखर नजर आ रहे हैं। वो लगातार सोशल मीडिया पर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साध रहे हैं। रविवार को उन्होंने किसानों के मामले में फिर पोस्ट किया। उन्होंने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर संसद में प्राइवेट मेंबर बिल लाने का ऐलान किया है। पोस्ट कर लोगों से उनकी राय मांगी। वरुण गांधी ने अपने प्रस्तावित प्राइवेट मेंबर के मसौदे पर लिखा, भारत के किसानों और सरकार ने लंबे वक्त से तमाम आयोगों के भीतर और बाहर कृषि संकट पर बहस की है। अब एमएसपी कानून का वक्त आ गया है। कानून में मेरे मुताबिक किस तरह के प्रावधान होने चाहिए, इसको लेकर मैंने एक मसौदा तैयार किया है और संसद में रख दिया है। इस पर किसी भी तरह की आलोचना का स्वागत है।

### महबूबा मुफ्ती हाउस अरेस्ट

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और PDP चीफ महबूबा मुफ्ती को श्रीनगर के गुपकार रोड स्थित उनके घर में हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। साथ ही श्रीनगर स्थित PDP के कार्यालय को भी पुलिस ने सील कर दिया है और किसी भी पार्टी कार्यकर्ता को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। 12 दिसंबर को PDP का यूथ कन्वेंशन होने वाला था, इससे पहले ही जम्मू कश्मीर प्रशासन ने कोविड-19 प्रतिबंधों का हवाला देते हुए ये सख्ती दिखाई है।

तमिलनाडु के कुन्नुर में वायुसेना के हेलीकॉप्टर हादसे में दिवंगत हुए सीहोर (धामंदा) के नायक जितेन्द्र कुमार वर्मा के पार्थिव शरीर के भोपाल पहुंचने पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने श्रद्धांजलि दी।

## हम गन्ना की बात करते हैं तो उनके मुंह से जिन्ना निकलता है : नड्डा

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लखनऊ**

उप्र के एटा में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में जेपी नड्डा ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियां वोटबैंक के साथ जुड़ी हैं, जातिवाद के साथ काम कर रही हैं। कोई जिन्ना के नाम पर जीता है तो कोई परिवारवाद के नाम पर पार्टी खड़ी करता है लेकिन BJP सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा, जब हम गन्ने की बात करते हैं तो उनके मुंह से जिन्ना निकलता है। मुझे और देश को उन लोगों से खतरा दिखता है जो कुर्सी और वोट के लिए लौह पुरुष सरदार पटेल जिन्होंने 567 राज्यों को एकत्र करके भारत देश बनाया, उनके मुंह से पटेल का नाम नहीं जिन्ना का जिन्न निकलता है।

## बैंक डूबने पर भी महफूज रहेगा आपका पैसा : पीएम मोदी बोले-

# पहले बैंक में जमा 1 लाख रु. ही सुरक्षित था, हमने इसे बढ़ाकर 5 लाख किया

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज डिपॉजिटर्स फर्स्ट गारंटी टाइम बाउंड डिपॉजिट इंश्योरेंस पेमेंट अप टू 5 लाख रुपए प्रोग्राम को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने बताया कि ऐसे डिपॉजिटर्स जिनका पैसा बैंकों में फंस गया था उन्हें कुल 1300 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। कार्यक्रम में क्करू मोदी डिपॉजिट इंश्योरेंस क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन एक्ट के तहत बैंक में जमा पर मिलने वाली 5 लाख रुपए की गारंटी के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्य मंत्री और RBI गवर्नर भी मौजूद रहे।

### आज भारत समस्याओं को टालता नहीं उसका समाधान करता है

विज्ञान भवन में हुए प्रोग्राम में उन्होंने कहां कि कोई भी देश समस्याओं का समय पर समाधान करके ही उन्हें विकराल होने से बचा सकता है। लेकिन सालों तक एक प्रवृत्ति रही की समस्याओं को टाल दो। आज का नया भारत, समस्याओं के समाधान पर जोर लगाता है, आज भारत समस्याओं को टालता नहीं है।

बजट-2021 में इंश्योरेंस को 1 से बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया था

मई 1993 से पहले 30 हजार रुपए तक ही वापसी की गारंटी थी

### सब की पहुंच में आया बैंक

पहले गरीब आदमी का ऐसा मानना था कि बैंक में खाता तो बड़े लोग खोलते हैं और लोन भी बड़े लोगों को ही लोन मिलता है। लेकिन जनधन योजना और स्ट्रीट वेंडर लोन योजना ने इस धारणा को बदल दिया है। जनधन योजना के तहत खुले करोड़ों बैंक अकाउंट्स में से आधे से अधिक महिलाओं के हैं। इन बैंक अकाउंट्स का महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर जो असर हुआ है।

### छोटे बैंकों को बड़े में मर्ज करके उन्हें शसक्त बनाया

सरकारी बैंकों को बड़े बैंकों के साथ मर्ज करके, उनकी कैपेसिटी, कैपेबिलिटी और ट्रांसपेरेंसी, हर प्रकार से सशक्त की गई है। जब RBI, को-ऑपरेटिव बैंकों की निगरानी करेगा तो, उससे भी इनके प्रति सामान्य जमाकर्ता का भरोसा और बढ़ेगा। देश की समृद्धि में बैंकों की बड़ी भूमिका है। और बैंकों की समृद्धि के लिए जमाकर्ताओं का पैसा सुरक्षित होना उतना ही जरूरी है।

### अब 24 घंटे हो रहे लेन-देन

आज भारत का सामान्य नागरिक कभी भी, कहीं भी, सातों दिन, 24 घंटे, छोटे से छोटा लेनदेन भी डिजिटली कर पा रहा है। कुछ साल पहले तक इस बारे में सोचना तो दूर, भारत के सामर्थ्य पर अविश्वास करने वाले लोग इसका मज़ाक उड़ाते फिरते थे। हमारे यहां समस्या सिर्फ बैंक अकाउंट की ही नहीं थी, बल्कि दूर-सुदूर तक गांवों में बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने की भी थी। आज देश के करीब-करीब हर गांव में 5 किलोमीटर के दायरे में बैंक ब्रांच या बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट की सुविधा पहुंच चुकी है।

### बजट-2021 में बैंक कवर बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया था

DICGC एक्ट में इस बदलाव को शामिल किए जाने पर डिपॉजिटर को बड़ी आसानी होगी, क्योंकि उन्हें तय समय में अपना 5 लाख रुपए तक का डिपॉजिट वापस मिल जाएगा। बैंक के फेल होने की सूरत में DICGC के कवर के हिसाब से डिपॉजिटर को उनका पैसा तय समय के भीतर आसानी से मिल जाएगा।

## चंडीगढ़, कर्नाटक और आंध्र में ओमिक्रान के नए मामलों के साथ देश में कुल 36 केस

**नई दिल्ली।** कर्नाटक में आज ओमिक्रॉन के तीसरे केस की पुष्टि हुई है। ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाया गया 34 साल का यह शख्स साउथ अफ्रीका से लौटा था। वहीं,आंध्र प्रदेश और चंडीगढ़ में भी ओमिक्रॉन के नए संक्रमितों की पहचान हुई है। इसके साथ ही अब देश में ओमिक्रॉन के कुल 36 केस हो गए हैं। कर्नाटक के हेल्थ मिनिस्टर डॉ. के. सुधाकर ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए 5 प्राइमरी और 15 सेकेंडरी कांटैक्ट को ट्रेस किया गया है। इनके सैंपल्स भी टेस्टिंग के लिए भेजे गए हैं। संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट कर गवर्मेंट हॉस्पिटल में ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। चंडीगढ़ में 20 साल के एक युवक की रिपोर्ट ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाई गई है। जानकारी के मुताबिक यह युवक 22 नवंबर को इटली से लौटा था और 1 दिसंबर की जांच में कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। उसे फाइजर वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी है। चंडीगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि आज फिर से युवक का कोविड टेस्ट किया गया है, जिसकी रिपोर्ट आनी बाकी है। आयरलैंड से आंध्र प्रदेश पहुंचा 34 साल का एक विदेशी टूरिस्ट ओमिक्रॉन संक्रमित पाया गया है। यह शख्स आयरलैंड से मुंबई होते हुए 27 नवंबर को विशाखापट्टनम पहुंचा था।

आज दतिया में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत 80 लाख की लागत से खेड़ापति हनुमान मंदिर लाला के ताल से हाईवे मार्ग तक सड़क निर्माण, कैट आईस दतिया राजगढ़ मार्ग पर एवं बड़ा बाजार में मार्ग के दोनों ओर पेवर ब्लॉक के कार्य का लोकार्पण किया।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात

आपके साथ

## राहुल गांधी बोले- मैं हिंदू हूं, हिंदुत्ववादी नहीं : महात्मा गांधी हिंदू थे और गोडसे हिंदुत्ववादी; मोदी भी हिंदुत्ववादी हैं, उन्हें सिर्फ सत्ता चाहिए

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को जयपुर में कांग्रेस की राष्ट्रीय रैली में मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरा देश चार-पांच उद्योगों के हाथ में है। हर संस्थान एक संगठन के हाथ में है। मंत्रियों के ऑफिस में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के ओएसडी हैं। देश को जनता नहीं चला रही है, तीन-चार पूंजीपति चला रहे हैं और हमारे प्रधानमंत्री उनके काम कर रहे हैं। रैली में सोनिया गांधी भी शामिल हुईं, लेकिन उन्होंने भाषण नहीं दिया राहुल गांधी ने कहा कि दो शब्दों का एक मतलब नहीं हो सकता। हर शब्द का अलग मतलब होता है। देश की राजनीति में आज दो शब्दों के मतलब अलग हैं। एक शब्द हिंदू दूसरा शब्द हिंदुत्ववादी। ये एक चीज नहीं है, ये दो अलग शब्द हैं और इनका मतलब बिल्कुल अलग है। मैं हिदू हूं लेकिन हिंदुत्ववादी नहीं हूं। महात्मा गांधी हिंदू थे और नाथूराम गोडसे हिंदुत्ववादी थे। उन्होंने कहा कि हिंदू और हिंदुत्ववादी में फर्क होता है। हिंदू सत्य को ढूंढता है। मर जाए, कट जाए, फिर भी हिंदू सच को ढूंढता है। उसका रास्ता सत्य रहा। पूरी जिन्दगी वो सच को ढूंढने में निकाल देता है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी के पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर क्रैश में शहीद हुए जवानों की याद में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

### दुनिया घूम ली, किसानों से नहीं मिल पाए : प्रियंका

रैली में प्रियंका गांधी ने भी केंद्र सरकार और भाजपा की रीति-नीति पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता के लिए काम नहीं कर रही है। यह सिर्फ गिने, चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। केंद्र की सरकार झूठ, लालच और लूट वाली सरकार है। गोवा में एक उद्योगपति के कोयल को इधर से उधर ले जाने के लिए लोगों की मर्जी के खिलाफ सड़क बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी पर्यटन में व्यस्त है। उन्होंने दुनिया घूम ली, लेकिन दिल्ली में किसानों से बातचीत करने नहीं जा पाए। भाजपा कहती है कि 70 साल में कुछ नहीं हुआ।

आईटीडीसी
# Classifieds
## वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

### ITDC प्रॉपर्टी/ बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

### ITDC प्रॉपर्टी/ रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

### ITDC JOB आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

### ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

### ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे ) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

**DISPLAY CLASSIFIEDS**
**10x04**cms @ 5,000/-
**05x04**cms @ 3,000/-

**RUNNING CLASSIFIEDS**
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

**MATRIMONY CLASSIFIEDS**
4cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

**OBITUARY/CONDOLENCE**
8cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x **10**cms (H) @ 2,000/-

**Public/Court Notice 4x10 cm**
@ 3000/- above length sqcm

### ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales ) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

### ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

### ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

**Shop for Sale:**
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

**To let Shop:**
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC
VACANCIES

## खबर की खबर
### बच्चों में कोरोना संक्रमण से चिंतित दुनिया के देश

वैज्ञानिकों को जैसा अंदेशा था वह लगभग सही होता दिख रहा है। कोरोना की नई लहर ने अमेरिका में बड़ी संख्या में बच्चों को अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया है। जानकारों के अनुसार महज एक सप्ताह में अमेरिका में एक लाख 33 हजार बच्चे कोरोना की चपेट में आ गए हैं। मोटे अनुमान के अनुसार अमेरिका में कोरोना संक्रमित बच्चों का प्रतिशत बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया है। अमेरिका ही क्या यूरोपीय देश भी इससे अछूते नहीं है।

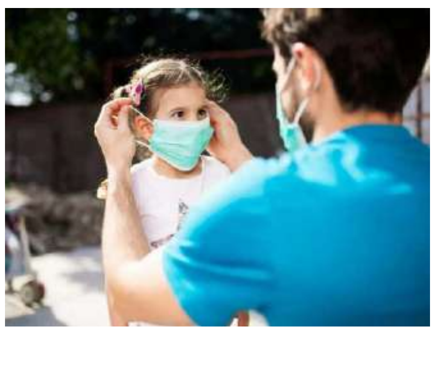

चिंता की बात है कि कोरोना के कई जगहों पर नए लक्षण दिखाई देने लगे हैं। इसमें बच्चों के शरीर में चकत्ते देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के देशों में करीब एक लाख बच्चे प्रतिदिन कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। हमारे देश में भी कोरोना संक्रमण से प्रभावित बच्चों की संख्या बढ़ रही है। अभी तो यह संक्रमण डेल्टा वेरियंट के चलते हो रहा है जबकि अफ्रीका से आए नए वेरियंट ओमीक्रोन की दहशत तेजी से बढ़ती जा रही है। ओमीक्रोन ने भारत सहित दुनिया के तीन दर्जन से अधिक देशों में उपस्थिति दर्ज करा दी है।

पिछले दो साल से कोरोना ने सारी दुनिया में तांडव मचा रखा है। दुनिया के देशों का जनजीवन कोरोना के कारण कोई एक-दो दिन नहीं बल्कि महीनों लॉकडाउन के दौरान घरों में कैद रह चुका है। यदि यह कहें कि कोरोना ने दुनिया के लोगों को घर में बिना किसी अपराध के घर में नजरबंद करके रख दिया तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। क्या घर और क्या बाहर सबकुछ ठप होकर रह गया। लोगों को ऑक्सीजन के लिए दर दर भटकते हुए इससे पहले किसी भी काल में नहीं देखा गया। आर्थिक गतिविधियां थम गईं।

इन सबके बावजूद जैसे ही हालात सामान्य बनाने के प्रयास हुए, लापरवाही के चलते कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है। आखिर कोरोना प्रोटोकाल के नाम पर करना तो केवल इतना ही है कि दो गज की दूरी-मास्क है जरूरी और सेनिटाइजर का नियमित उपयोग। पर ज्यों-ज्यों सरकारों द्वारा हालात सामान्य करने के प्रयास किए गए त्यों-त्यों दूरी और मास्क, पर उपदेश कुशल बहुतेरे होकर रह गए। ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग की बात और भी बेमानी होगी।

यह पहले साफ हो गया था कि कोरोना नित नए रूप बदलकर अपना खौफनाक रंग दिखाएगा। यह भी साफ हो गया था कि कोरोना की तीसरी लहर सीधे बच्चों को सर्वाधिक प्रभावित करेगी। कोरोना की दूसरी लहर ने जिस तरह हाहाकार मचाया, वह भी छुपा नहीं है, फिर भी सब पर लापरवाही भारी पड़ रही है। बच्चों पर कोरोना का बढ़ता असर दिखने लगा है। दुनिया के देशों में एक दिन में एक लाख बच्चों के संक्रमित होने का औसत निश्चित रूप से चिंतनीय है।

**खबर, केवल खबर होती है**

**आपका अखबार है**

**सटीक, सच्ची, सारगर्भित,**

**खबर की तह तक,**

**ख़बरें वही,**
**जो आपकी जरुरत**

PRESS
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

## न्यूज ब्रीफ

### बीमा प्रीमियम में कमी का उपाय:मोटर इंश्योरेंस के तहत नो क्लेम बोनस को जानिए

**नई दिल्ली।** हमारे वाहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत मोटर इंश्योरेंस अच्छा साधन माना जाता है। यह हमें थर्ड पार्टी की लायबिलिटी के खिलाफ भी कवरेज देता है। नो क्लेम बोनस मोटर इंश्योरेंस में एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। यह पॉलिसी रिन्यूअल के समय आपके मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम को कम करने में मदद कर सकता है। इंश्योरेंस कंपनी आपको प्रत्येक क्लेम फ्री वर्ष के लिए नो क्लेम बोनस प्रदान करती है। एनसीबी छूट स्लैब के अनुसार दी जाती है। यह पहले वर्ष के लिए 20 फीसदी से शुरू होता है। धीरे-धीरे दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें वर्षों के लिए क्रमश: 2 फीसदी, 35 फीसदी, 45 फीसदी और 50 फीसदी तक पहुँच जाता है। यह छूट अधिकतम 50 फीसदी तक होती है।

#### केवल ओन डैमेज प्रीमियम पर ही लागू

एनसीबी केवल ओन डैमेज प्रीमियम पर लागू होता है न कि थर्ड-पार्टी प्रीमियम पर। मान लीजिए कि पूरा प्रीमियम 3,000 रुपए है। इसका 20 फीसदी थर्ड पार्टी प्रीमियम है जो कि 600 रुपए है। अत: नो क्लेम बोनस छूट 2,400 रुपए के ओडी प्रीमियम पर लागू होगी।

#### नो क्लेम बोनस ड्राइवर को दिया जाता है

नो क्लेम बोनस अच्छे ड्राइविंग व्यवहार के लिए दिया जाने वाला एक इनाम है। इसका मतलब है कि जब आप अपनी गाड़ी बदलते हैं या किसी नए इंश्योरेंस कंपनी के पास जाते हैं तो आप आसानी से अपना NCB ट्रांसफर कर सकते हैं। साथ ही, आप कुछ मामूली नुकसान के लिए दावा करने से बचकर अपने नो क्लेम बोनस को लंबे समय तक बरकरार रख सकते हैं।

#### विश्लेषण करना स्मार्ट काम है

दावा फाइल करने से पहले लागत बनाम लाभ विश्लेषण करना स्मार्ट काम है। मान लीजिए कि आप अगले वर्ष 6,000 रुपए की ह्रष्टक्क छूट के लिए पात्र हैं। आपको मामूली नुकसान का सामना करना पड़ता है। मरम्मत की लागत 3,000 रुपए है। यदि आप इस मरम्मत के लिए दावा करते हैं, जिसकी लागत 3,000 है, तो आप 6,000 रुपए के नो क्लेम बोनस बोनस का दावा करने का अधिकार खो देंगे और 3,000 का नुकसान कर बैठेंगे। ऐसा विश्लेषण आपको यह पता लगाने में मदद करेगा कि आपको दावा दायर करना चाहिए या नहीं।

#### NCB ट्रांसफर की प्रक्रिया

एनसीबी ट्रांसफर काफी सरल प्रक्रिया है। ऑफ़लाइन प्रक्रिया के लिए आप अपने इंश्योरेंस कंपनी से संपर्क कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज जमा कर सकते हैं। इंश्योरेंस कर्ता आपका ह्रष्टक्क प्रमाणपत्र जारी करेगा। आपको नए इंश्योरेंस कंपनी को प्रमाणपत्र जमा करना होगा और वे एनसीबी को ट्रांसफर कर देंगे।

# क्रिप्टोकरेंसी प्राइस अपडेट : गिरावट के बाद संभला बिटकॉइन, इथीरियम और कारडानो में गिरावट जारी

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

बीते दिनों की गिरावट के बाद आज यानी शनिवार को क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में थोड़ी तेजी देखी जा रही है। बिटकॉइन शाम साढ़े 4 बजे 0.41 फीसदी (24 घंटे में) की बढ़त के साथ 39.28 लाख रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसकी कीमत में 16,140 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि अन्य क्रिप्टोकरेंसी आज भी कमजोर प्रदर्शन कर रही हैं।

### इथीरियम और कारडानों में गिरावट

अन्य क्रिप्टोकरेंसी की बात करें तो इथीरियम में 1.69 फीसदी की गिरावट देखी गई। यह बीते 24 घंटों में 5,622 रुपए गिरकर 3.27 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इसके अलावा टेदर, कारडानो और स्ठ कॉइन में भी गिरावट देखने को मिल रही है।

### क्रिप्टोकरेंसी कमा मार्केट कैप गिरा

दुनिया की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में गिरावट का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। इससे ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.35 लाख करोड़ डॉलर रह गया। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में पिछले 7 दिन में 10 फीसदी गिरावट आई है।

**अपने ऑल टाइम हाई से 24 फीसदी नीचे आई बिटकॉइन:-** दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे पसंदीदा क्रिप्टो बिटकॉइन की कीमत 10 नवंबर को 52 लाख रुपए (69,000 डॉलर) के पार पहुंच गई थी लेकिन अब यह 39.28 लाख पर आ गया है। यानी अपने ऑल टाइम हाई से ये अभी भी 24 फीसदी सस्ता है।

### आगे जारी रह सकता है उतार चढ़ाव

एक्सपर्ट्स का कहता है कि दुनिया में फिर से कोरोना केस बढ्ने लगे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में क्रिप्टोकरेंसी में उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने में तेजी देखने को मिल सकती है।

## ट्विटर अकाउंट कितना सेफ

# मोदी का अकाउंट 14 महीने में दूसरी बार हैक हुआ

### हैकिंग से बचने के लिए 10 बातों का ध्यान रखें

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

ट्विटर अकाउंट का हैक हो जाना एकदम आम हो चुका है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्विटर हैंडल भी सेफ नहीं है। ये शनिवार देर रात कुछ देर के लिए हैक हो गया था। उनके अकाउंट से बिटकॉइन को लीगल करने का ट्वीट भी किया गया। वैसे, ये पहली बार नहीं है जब किसी बड़ी सेलिब्रिटी का अकाउंट हैक हुआ है। इससे पहले सितंबर 2020 में भी पीएम मोदी, जुलाई में जो बाइडेन, बराक ओबामा, बिल गेट्स और एलन मस्क का ट्विटर अकाउंट हैक हुआ था। कुल मिलाकर आपका सोशल अकाउंट सुरक्षित नहीं है। भले ही कंपनियां इसकी सेफ्टी को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन आखिर में सब खोखले साबित होते हैं। अब सवाल ये उठता है कि आखिरी ये अकाउंट हैक कैसे हो जाते हैं?

### हैकर्स किन तरीकों से सोशल मीडिया अकाउंट हैक करते हैं?

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट के मुताबिक, हैकर्स किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट को हैक करने के लिए एक जैसा तरीका ही अपनाते हैं। हैकर्स सोशल मीडिया यूजर्स की दो गलतियों का फायदा उठाते हैं।

### टेक्निकल फ्लॉस

फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंक्डइन या अन्य सोशल मीडिया अकाउंट होते हैं। यूजर्स इन सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल सोशल और प्रोफेशनल तौर पर लोगों से जुड़ने के लिए करते हैं। इन दो गलतियों की वजह से हैकर्स अकाउंट हैक कर सकते हैं। पहली तो अगर सोशल मीडिया की एप्लिकेशन में किसी तरह का लूपहोल होता है, तो इन्हीं टेक्निकल फ्लॉस का फायदा हैकर्स उठाते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया की कंपनियों के पास अच्छे टेक्निकल प्रोफेशनल की टीम होती हैं, लेकिन इसके बावजूद भी हैकर्स टेक्निकल लूपहोल निकाल ही लेते हैं।

### फिशिंग ट्रेप

इसमें कई तरह से हैकर्स लोगों की ढ्ढष्ठ हैक कर सकते हैं। इसको ऐसे समझ सकते हैं कि हैकर्स कॉल या मैसेज करके आपसे फिशिंग लिंक शेयर कर सकते हैं। जैसे ही आप इस लिंक पर क्लिक करेंगे, तो आप फेसबुक, ट्विटर जैसी दिखने वाली साइट पर जा सकते हैं। इस पर वे लॉगिन करने को कहेंगे। अगर उनके झांसे में आकर लॉगिन करते हैं, तो हैकर्स अकाउंट का ढ्ढष्ठ और पासवर्ड चुरा सकते हैं। उन्हें हैक करने में आसानी हो सकती है।

## एक्शन का रिएक्शन

# जूम कॉल पर 900 कर्मचारियों की नौकरी छीनने वाले सीईओ छुट्टी पर, असेसमेंट करने में जुटी कंपनी

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

जूम कॉल पर 900 लोगों को नौकरी से निकालने वाले Better.com के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर विशाल गर्ग को कंपनी ने छुट्टी पर भेज दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर केविन रयान अब कंपनी के दिन-प्रतिदिन के निर्णय लेंगे और बोर्ड को रिपोर्ट करेंगे। कंपनी के बोर्ड ने लीडरशिप और कल्चरल असेसमेंट के लिए एक थर्ड पार्टी इंडिपेंडेट फर्म को हायर किया है। हालांकि, कंपनी ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया है।

### गर्ग ने अपने काम के लिए मांगी माफी

इससे पहले विशाल गर्ग ने एक जूम कॉल के जरिए 900 लोगों को नौकरी से निकालने के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने अपने इस तरीके के लिए पत्र लिखकर कर्मचारियों से माफी मांगी। इस पत्र में विशाल गर्ग ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि उनका तरीका गलत था और उनसे भारी चूक हुई है।

### जूम कॉल पर 900 लोगों को नौकरी से निकाला

न्यूयॉर्क की Better.com कंपनी के CEO विशाल गर्ग ने एक झटके में 900 लोगों को नौकरी से निकाल दिया था। ऐसा करने के लिए उन्होंने सिर्फ तीन मिनट का वक्त लिया। 1 दिसंबर को गर्ग ने कंपनी के कर्मचारियों की जूम मीटिंग बुलाई गई थी। इसी में कर्मचारियों को काम पर न आने के लिए कह दिया गया। निकाले गए कर्मचारी कुल स्टाफ का 15 फीसदी हैं।

### पहले भी कर्मचारियों को कहा था आलसी

गर्ग ने कर्मचारियों को निकालने के लिए पहले तो कहा कि उनका प्रोडक्शन कुछ नहीं है। फिर कहा कि आप लोग केवल दो घंटे काम करते हैं। इससे पहले फोर्ब्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 2020 में गर्ग ने कर्मचारियों पर आलसी होने का आरोप लगाया था। डेली बीस्ट की रिपोर्ट कहती है कि इस ष्टश्वह्र ने एक बार अपने पार्टनर को ही जिंदा जलाने की धमकी दे डाली थी।

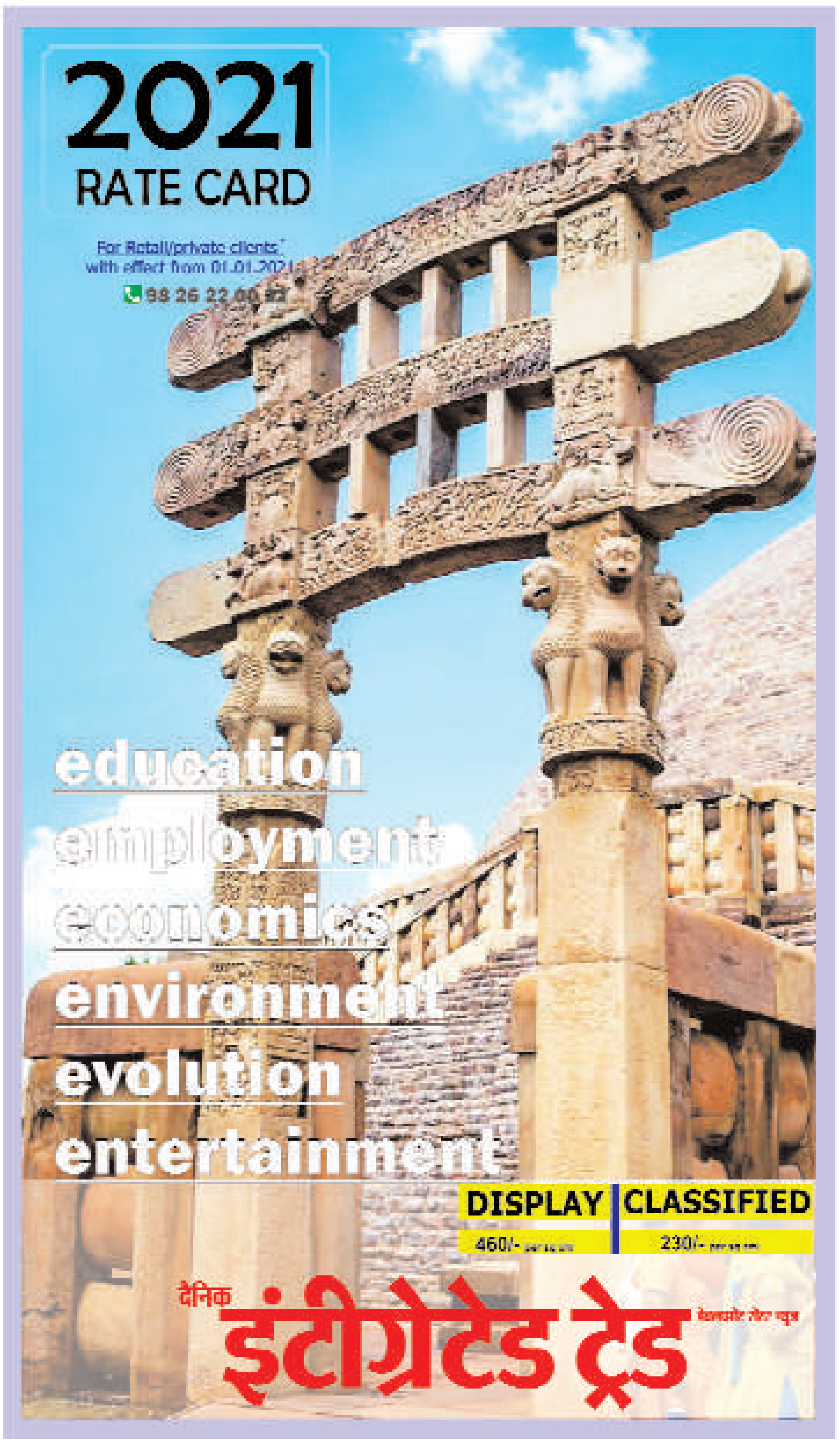


## म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री हुई 38.45 लाख करोड़ की

# हर महीने SIP में आ रहा है 11 हजार करोड़ निवेशकों की दिलचस्पी इक्विटी फंड में

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

निवेशकों का लगातार म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ रहा है। इस वजह से म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का औसत असेट अंडर मैनेजमेंट 38.45 लाख करोड़ रुपए हो गया। नवंबर महीने में इक्विटी फंड में 11,614 करोड़ रुपए आए हैं। यह लगातार नौवां महीना है जब इस इक्विटी स्कीम में पॉजिटिव निवेश रहा है। इक्विटी फंड में निवेश उस माहौल के विपरीत है, जहां शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल है। कभी हजार पॉइंट बाजार टूटता है तो कभी हजार पॉइंट बढ़ता है। लेकिन म्यूचुअल फंड में लगातार निवेशक निवेश कर रहे हैं। अक्टूबर में इक्विटी स्कीम में 5,215 करोड़ रुपए का निवेश आया था। इसी तरह सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी स्ढ्ढक्क में नवंबर में 11 हजार करोड़ रुपए आए हैं। यह अब तक का रिकॉर्ड है।

### निफ्टी में 6 फीसदी की गिरावट

नवंबर महीने में निफ्टी में 6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। ऐसा इसलिए क्योंकि सेंसेक्स 62 हजार के ऐतिहासिक आंकड़े को अक्टूबर में पार किया था। निवेशकों ने इसके बाद जमकर मुनाफा वसूली की थी। इससे बाजार में गिरावट का माहौल बना। खासकर विदेशी निवेशकों ने नवंबर में अपने निवेश को निकाला।

## हार्वर्ड यूनिवर्सिटी : बदलनी होगी स्वास्थ्य नीति से जुड़ी सोच

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का एक ताजा अध्ययन बताता है कि यदि हम पैकेज्ड खाने में 20 फीसदी और पेय पदार्थों (बेवरेज) में 40 प्रतिशत शुगर कंटेंट कम कर दें, तो दिल से संबंधित 2.48 लाख बीमारियों के मरीज को कम कर सकते हैं। इससे मधुमेह के 7.5 लाख मरीजों की संख्या कम की जा सकती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अमेरिका ऐसा करके अगले 10 साल में स्वास्थ्य क्षेत्र में 4.28 अरब डॉलर बचाएगा। अमेरिकी स्वास्थ्य नीति में क्यूरेटिव के साथ प्रिवेंटिव अप्रोच भी जुड़ते जा रहे हैं। दुनिया के किसी भी देश का स्वास्थ्य क्षेत्र तीन अप्रोच पर काम करता है-प्रिवेंटिव, क्यूरेटिव और प्रोमोटिव। प्रिवेंटिव का मतलब है बीमारियों की रोकथाम का अप्रोच, क्यूरेटिव का अर्थ है, यदि बीमारी हो जाए, तो उसका इलाज और प्रोमोटिव का मतलब है कि जो व्यक्ति स्वस्थ है, उसे स्वस्थ बनाए रखा जाए। भारत के लिए इस अध्ययन और अमेरिका की स्वास्थ्य नीति में बदलाव के बड़े मायने हैं। हमारे देश में 40 फीसदी बीमारियां दूषित जल पीने, साफ-सफाई के अभाव और कुपोषण से फैलती हैं, जिनमें मलेरिया, डायरिया हैजा, माहवारी संबंधी इनफेक्शन, नवजात शिशु और गर्भवती महिलाओं से संबंधित बीमारियां शामिल हैं। ये प्राणघातक बीमारियां हैं। 30 फीसदी बीमारियां गलत जीवन शैली के कारण होती हैं, जिनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, तनाव, अस्थमा और मेटाबोलिक सिंड्रोम आदि शामिल हैं। जबकि शेष बची 30 फीसदी में किडनी, दिल आदि से जुड़ी बीमारियां शामिल हैं। मेडिकल जर्नल लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर वर्ष मलेरिया से दो लाख मौत होती है। यूनिसेफ के अनुसार, दुनिया भर में रोज करीब 800 महिलाओं की गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मौत हो जाती है, जिनमें से 20 फीसदी महिलाएं भारत की होती हैं। संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी एक संस्था की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 में भारत में आठ लाख बच्चों की मौत हुई, यानी हर मिनट में तीन मौत। हर साल अकेले डायरिया से 1.2 लाख बच्चे मारे जाते हैं। नवजात बच्चों की सबसे अधिक मौत भारत में होती है। अक्सर कहा जाता है कि भारत में डॉक्टरों की संख्या कम है। जर्मनी में प्रति हजार लोगों पर 4.3 , स्पेन में 3.9, अमेरिका में 2.9, ऑस्ट्रेलिया में 3.7 और ब्रिटेन में 2.9 डॉक्टर हैं। जबकि भारत में यह आंकड़ा 0.8 है। अपने यहां 11 लाख से ज्यादा एमबीबीएस डॉक्टर प्रैक्टिस करते हैं। साथ ही, 6.3 लाख आयुष डॉक्टर भी हैं। यहां दिक्कत अप्रोच में है। यदि डॉक्टरों की संख्या 22 लाख भी होगी, तो समस्या वही रहेगी। हमारे यहां स्वास्थ्य ढांचा तीन स्तरों पर काम करता है। प्रथम स्तर पर गांव में एक उप सहायता केंद्र होता है, जहां एएनएम की ड्यूटी रहती है, जो गांव में टीकाकरण आदि का काम संभालती है। वहां एक प्राथमिक चिकित्सा केंद्र होता है, जहां एमबीबीएस और आयुष डॉक्टर,नर्स, खून जांच करने की प्रयोगशाला, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और 249 तरह की जरूरी दवाएं उपलब्ध होती हैं। ऐसे अस्पतालों में चार से छह बेड होते हैं। यहां उन 40 फीसदी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है, जो गंदे पानी, साफ सफाई के अभाव व कुपोषण से फैलती हैं। दूसरे स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा टीबी हॉस्पिटल आते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 30 बेड का मिनी अस्पताल होता है, जहां नौ विशेषज्ञ डॉक्टर होते हैं। यहां पर सभी जरूरी जांच सुविधा और 369 प्रकार की जरूरी दवाएं हर समय मौजूद रहती हैं। यहां जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। जबकि तीसरे स्तर पर जिला अस्पताल आते हैं।

**हमारे यहां स्वास्थ्य ढांचा तीन स्तरों पर काम करता है। प्रथम स्तर पर गांव में एक उप सहायता केंद्र होता है, जहां एएनएम की ड्यूटी रहती है, जो गांव में टीकाकरण आदि का काम संभालती है। वहां एक प्राथमिक चिकित्सा केंद्र होता है, जहां एमबीबीएस और आयुष डॉक्टर,नर्स, खून जांच करने की प्रयोगशाला, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और 249 तरह की जरूरी दवाएं उपलब्ध होती हैं।**

संपादकीय

# बॉलीवुड वही लेकिन बदल गई मुंबई

बंबई मुंबई बन गई और सिनेमा में बीते दशक कुछ ऐसे बदलाव हुए जो दिखे भले नहीं लेकिन महसूस जरूर किए गए। उन बदलावों में से एक है बॉलीवुड से मुंबई का धीरे-धीरे गायब हो जाना। क्या आपने भी ये बदलाव महसूस किया? क्या आपने भी ये महसूस किया की अब नायक और नायिका जुहू-चौपाटी पर हाथो में हाथ डाल कर ढलते सूरज के साए तले एक दूसरे में नहीं खोते? क्या अब आप भी महसूस करने लगे हैं कि मुंबई की सड़कों की रानी काली-पीली टैक्सी अब पर्दे पर कम दिखाई देती है? क्या आपको पता चला कि हीरो की ठेठ मुम्बईया भाषा-शैली की जगह अब पंजाबी, दिल्ली और हरयाणवी की मिश्रित भाषा शैली ने ले ली है? आप भले ही मुंबई में पैदा न हुए हों या मुंबई में रहें ना हों, और पैदा होना और रहना तो दूर की बात है हो सकता है आप ने वास्तविकता में मुंबई कभी देखा भी ना हो। फिर भी आप जुहू-चौपाटी, गेटवे ऑफ इंडिया, बांद्रा, कुर्ला जैसी जगहों से परिचित होंगे और मुंबई शहर की संस्कृति और रहन-सहन आपको बहुत जाने-पहचाने से लगते होंगे। और हों भी क्यों ना? बॉलीवुड ने हिन्दी फिल्मों के जरिए मुंबई की लगभग हर चर्चित जगहों से हमारा परिचय जो करा चुका है। बॉलीवुड की फिल्मों में मुंबई, जो पहले बंबई और अंग्रेजीदां लोगों के लिए बॉम्बे हुआ करती थी, फिल्मों में सिर्फ पृष्ठभूमि नहीं बल्कि एक किरदार भी हुआ करती थी। बंबई का बाबू, बॉम्बे टू गोआ जैसी फिल्में हों या मशहूर अभिनेता जॉनी वॉकर पर फिल्माया गाना ये है बॉम्बे मेरी जान... बंबई कई सदाबहार गानों के बोल और क्लासिक फिल्मों के शीर्षक का हिस्सा भी रही है। याद कीजिए साठ के रूमानी दशक में हीरो-हीरोइन की पहली मुलाकात मुंबई की गलियों में कहीं होती थी। वहीं सत्तर के एंग्री यंग मैन वाले दशक में हीरो जमाने से तंग आकर जब घर छोड़कर भागता था तो उसका ठिकाना मुंबई शहर ही बनता था। मुंबई ही उसे जमाने से लड़ना और जीतना सिखाती थी। 80 के डिस्को युग में गरीब मगर खुद्दार हीरो रईस हीरोइन को अपनी ठेठ मुम्बईया भाषा बोलकर इम्प्रेस कर लेता था। फिर दौर बदला। बंबई मुंबई बन गई और सिनेमा में बीते दशक कुछ ऐसे बदलाव हुए जो दिखे भले नहीं लेकिन महसूस जरूर किए गए। उन बदलावों में से एक है बॉलीवुड से मुंबई का धीरे-धीरे गायब हो जाना। क्या आपने भी ये बदलाव महसूस किया? क्या आपने भी ये महसूस किया की अब नायक और नायिका जुहू-चौपाटी पर हाथो में हाथ डाल कर ढलते सूरज के साए तले एक दूसरे में नहीं खोते? क्या अब आप भी महसूस करने लगे हैं कि मुंबई की सड़कों की रानी काली-पीली टैक्सी अब पर्दे पर कम दिखाई देती है? क्या आपको पता चला कि हीरो की ठेठ मुम्बईया भाषा-शैली की जगह अब पंजाबी, दिल्ली और हरयाणवी की मिश्रित भाषा शैली ने ले ली है? ये बदलाव कोई रातों-रात नहीं हुए। नब्बे के दशक के मध्य में ही यशराज की कालजयी फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को याद कीजिए। फिल्म पंजाब से निकल कर आपको यूरोप के सैर पर ले जाती है और वापस पंजाब पर आकर ही खत्म हो जाती है। ऐसा नहीं है कि दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे के बाद मुंबई रूपहले पर्दे से अचानक गायब हो गया लेकिन हां बॉलीवुड की पृष्ठभूमि अब सिर्फ मुंबई तक ही सीमित नहीं रह गई। 1998 में आई रामगोपाल वर्मा की सत्या ने एक अलग ही मुंबई के दर्शन कराए जिसकी गलियां रूमानियत नहीं बल्कि हिंसा से भरी हुई थीं। नई सदी का आगमन नई सोच से भरे हुए युवा निर्देशकों का भी आगमन था। 2001 में आई नवोदित निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म दिल चाहता है ने दर्शकों को एक नई मुंबई से रूबरू कराया। जिसमें रहने वाले इंग्लिश गाने सुनते हैं, छुट्टी मनाने मर्सिडीज से गोवा रोड ट्रिप पर जाते हैं। अब पृष्ठभूमि के तौर पर मुंबई अनिवार्य नहीं थी। हालांकि बीच-बीच में कंपनी, टैक्सी नंबर 9211, वेक अप सिड जैसी फिल्में भी आईं जिनमे मुंबई सिर्फ एक पृष्ठभूमि भर नही बल्कि कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी थी। दौर बदला, कहानियां और उनके कहने के तरीके बदले तो हर कहानी की पृष्ठभूमि भला मुंबई कैसे रह पाती? जब छोटे शहर की पृष्ठभूमि पर बनीं फ़िल्में बॉक्स ऑफिस पर पैसे छापने लगीं तो तो इस नए-नए ट्रेंड ने और जोर पकड़ा। फिल्म निर्माता मुंबई के इतर भी कहानियों की संभावनाएं तलाशने लगे। नए दौर के फिल्म मेकर्स नई कहानियों की तलाश में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की ओर मुड़े तो मुंबई मानो पीछे ही छूट गई। कुछ फिल्में तो ऐसी भी आईं जिनकी शुरुआत तो मुंबई से हुई लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती गई मुंबई पीछे छूट गई। बीते सालों में ब्लैकमेल, अंधाधुन जैसी कुछेक फिल्में ही आईं जो शुरू से अंत तक मुंबई के ही इर्द-गिर्द घूमती रहीं। और ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ कहानियों मे आए बदलाव की वजह से ऐसा हुआ। कहानियों में बदलाव के अलावा कई और बाहरी कारक भी हैं जिसने रूपहले पर्दे पर मुंबई की उपस्थिति को कम करने में भूमिका निभाई।

# रक्षा संबंधों की मजबूत बुनियाद

हाल ही में संपन्न हुई भारत-रूस की शिखर बैठक से, जिसमें वैश्विक घटनाओं पर विचार-विमर्श के अलावा 2+2 संवाद की भी शुरुआत हुई, रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग में और वृद्धि ही होगी। शिखर बैठक में अलग-अलग क्षेत्रों से संबंधित 99 बिंदुओं पर साझा सहमति बनी, तो अंतरिक्ष से लेकर रक्षा और दूसरे क्षेत्रों से जुड़े 28 सहमति पत्रों पर दस्तखत किए गए। भारत और रूस के रिश्ते मुख्यत: रक्षा सहयोग पर ही आधारित हैं, जबकि दोनों के बीच का व्यापार महज 10 अरब डॉलर तक सिमटा हुआ है। 2+2 संवाद के बाद दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने सैन्य और सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर्सरकारी आयोग की 20वीं बैठक में भी हिस्सा लिया। उसी बैठक में विभिन्न समझौतों पर दस्तखत किए गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, %आत्मनिर्भरता के लिए अधिक सैन्य तकनीकी सहयोग तथा आधुनिकतम शोध और रक्षा उपकरणों के साझा विकास व उत्पादन पर हमारा अधिक जोर है।% उल्लेखनीय है कि रूस के साथ मिलकर भारत रक्षा क्षेत्र में साझा उद्यम खड़ा करना चाहता है। अमेरिका द्वारा सीएएटीएसए (काउंटरिंग अमेरिकन एडवरसरीज थ्रू सैंक्शन्स ऐक्ट) लगाने की धमकी के बावजूद भारत-रूस के बीच एस-400 मिसाइलों के सौदे दोनों देशों के रिश्तों के नए आयाम के बारे में बताते हैं। रूस के नेतृत्व ने इसकी तारीफ की, जब रूसी विदेश मंत्री लैवरोव ने कहा कि %हमारे भारतीय दोस्तों ने स्पष्ट तौर पर और ठोस रूप में बता दिया कि वे एक संप्रभु राष्ट्र हैं। वही तय करेंगे कि वे कौन-से हथियार खरीदेंगे तथा रक्षा व दूसरे क्षेत्रों में उनका साझेदार कौन होगा। भारतीय सुरक्षा बलों के पास जो रक्षा उपकरण हैं, उनमें से 60 प्रतिशत के पुर्जे रूस से आते हैं। जैसा कि भारतीय विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला ने एक बार कहा भी था कि %बगैर रूसी कल-पुर्जों के न तो हमारे विमान उड़ पाएंगे, न ही समुद्र में हमारे जहाजों का चलना संभव है। अभी खत्म हुई शिखर बैठक में इस पर सहमति बनी कि रूस भारतीय रक्षा उत्पादों के कल-पुर्जों के भारत में ही उत्पादन में सहयोग करेगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत के अभियान को रफ्तार मिलेगी। रक्षा उत्पादों के पुर्जों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक देश द्वारा अपने कूटनीतिक प्रावधान ढीले करना ही यह बताने के लिए काफी है कि भारत और रूस के बीच के रिश्ते किस तरह के हैं। इस संबंध में जारी साझा बयान कहता है, %दोनों पक्ष तकनीकी हस्तांतरण और साझा उद्यमों की स्थापना के जरिये विभिन्न कल-पुर्जों, उपकरणों, रक्षा निर्माण और दूसरे उत्पादों के मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रूसी कंपनियों के हथियारों और रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए सहमत हुए हैं। इस दौरान जो दूसरा सबसे बड़ा फैसला लिया गया, वह है तकनीकी हस्तांतरण समझौते के जरिये भारत में एके-203 राइफलों के उत्पादन पर बनी सहमति। इस समझौते के तहत भारत अमेठी स्थित आयुध निर्माण फैक्टरी में छह लाख राइफल तैयार करेगा। इस समझौते पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से बातचीत चल रही थी। रक्षा क्षेत्र में तकनीकी हस्तांतरण न केवल दुर्लभ है, बल्कि यह तभी संभव है, जब दो देशों के बीच गहरी समझदारी हो। शिखर बैठक में हालांकि सैन्यतंत्र सहयोग और साझा आदान-प्रदान समझौते पर सहमति नहीं बन पाई, क्योंकि यह कहा गया कि इस विषय पर अंतिम निर्णय लेने से पहले और विचार-विमर्श की आवश्यकता है। गौरतलब है कि अमेरिका और जापान के साथ भारत यह समझौता कर चुका है। इस समझौते से जरूरत के समय दूसरे देशों के सुरक्षा बलों की मदद की जा सकती है। रूस के साथ यह समझौता हो जाने पर जहां भारत आर्कटिक क्षेत्र में रूसी सैन्य बेस का लाभ उठा सकेगा, वहीं रूस भारतीय सैन्य बेसों का लाभ उठाते हुए हिंद महासागर में अपने सैन्य अभियान संचालित कर सकेगा। बैठक में सैन्य तकनीकी सहयोग समझौते को और दस साल बढ़ाने पर सहमति बनी। भारत और रूस एक दूसरे की धरती पर साझा सैन्य अभियानों का संचालन करते हैं। भारत ने सभी रूसी सैन्य अभियानों में भाग तो लिया ही है, इसने द्वितीय विश्वयुद्ध में मारे गए सैनिकों के सम्मान में मास्को में आयोजित सम्मेलन में भी हिस्सेदारी की थी। इस मुद्दे पर पुतिन का कहना था, %हम भारत और रूस, दोनों ही देशों में साझा सैन्याभ्यास का आयोजन करते रहे हैं। इस मामले में भारत की प्रशंसा करनी चाहिए, जिसे इस मामले की गहरी समझ है। हम इस विषय पर आगे भी लगातार काम करना चाहते हैं। ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि दोनों ही देशों ने अफगानिस्तान, दक्षिण पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे पर विस्तार से विमर्श किया। बैठक में भारत ने जहां चीन से आने वाले खतरों के प्रति रूस का ध्यान आकर्षित कराया, वहीं रूस ने यूक्रेन और पोलैंड-बेलारूस पर अपने रुख के बारे में बताया। इसी कारण रूस को पश्चिमी देशों के खिलाफ खड़ा होना पड़ा है। शिखर बैठक में यह बात स्पष्ट होकर सामने आई कि दोनों देश वैश्विक मुद्दों पर एक दूसरे का समर्थन पाने के आकांक्षी हैं।

**अभी खत्म हुई शिखर बैठक में इस पर सहमति बनी कि रूस भारतीय रक्षा उत्पादों के कल-पुर्जों के भारत में ही उत्पादन में सहयोग करेगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत के अभियान को रफ्तार मिलेगी। रक्षा उत्पादों के पुर्जों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक देश द्वारा अपने कूटनीतिक प्रावधान ढीले करना ही यह बताने के लिए काफी है कि भारत और रूस के बीच के रिश्ते किस तरह के हैं।**

# सीडीएस जनरल बिपिन रावत : जांबाज योद्धा, अचूक रणनीतिकार

जो भी आदमी सेना की वर्दी पहनता है, वह जानता है कि उसके साथ कभी भी अनहोनी हो सकती है। देश के पहले रक्षा प्रमुख जनरल बिपिन रावत भी यह बात बखूबी जानते रहे होंगे। वह बेहद काबिल आदमी और जांबाज योद्धा थे। साथ ही, वह बहुत किस्मत वाले भी थे। उन्हें गोली लग चुकी थी। नगालैंड में हुए एक हादसे में वह बाल-बाल बच गए थे। लेकिन विगत आठ दिसंबर को, जब वह एक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे, तकदीर ने उनका साथ नहीं दिया। उनका हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वह हमसे बिछड़ गए। उनके साथ-साथ उनकी पत्नी तथा दूसरे लोग भी काल के गाल में समा गए और सिर्फ ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह अस्पताल में बेहद बहादुरी से जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे हैं। जनरल बिपिन रावत के बारे में यह याद रखना चाहिए कि अपनी बहादुरी और काबिलियत के कारण ही उन्हें थल सेनाध्यक्ष, और फिर देश का पहला रक्षा प्रमुख बनाया गया। वर्ष 1971 में यानी बांग्लादेश युद्ध के दौरान ही देश में सीडीएस या रक्षा प्रमुख की चर्चा शुरू हो गई थी, जो सेना के तीनों अंग का प्रधान होता है। रक्षा प्रमुख के होने से युद्ध जैसी स्थिति में सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल होने का फायदा होता है। वर्ष 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जनरल सैम माणेकशॉ को, जो तब थल सेनाध्यक्ष थे, रक्षा प्रमुख बनाना चाहती थीं। लेकिन तत्कालीन वायुसेनाध्यक्ष ने उस प्रस्ताव पर रुचि नहीं दिखाई, क्योंकि माणेकशॉ से उनके अच्छे रिश्ते नहीं थे। करगिल युद्ध के बाद तैयार की गई रिपोर्ट में एक बार फिर रक्षा प्रमुख की जरूरत बताई गई, क्योंकि उस युद्ध में थलसेना और वायुसेना के बीच तालमेल की कमी सामने आई थी। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उस संभावना पर पानी फेर दिया। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने, तो उन्हें रक्षा प्रमुख का महत्व समझ में आया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल भी रक्षा प्रमुख के पक्ष में थे। विचार-विमर्श के बाद इस महत्वपूर्ण पद के लिए बिपिन रावत का नाम सामने आया। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि थल सेनाध्यक्ष के रूप में बिपिन रावत का कामकाज सरकार को बहुत पसंद आया था। वह सेना के आधुनिकीकरण के हामी थे। क्षा प्रमुख के तौर पर उन्होंने अनेक काम किए, लेकिन उनकी सबसे महत्वाकांक्षी योजना इंटीग्रेटेड थियेटर कमांड के गठन की थी। इसके तहत वह अलग-अलग सत्रह कमांड को एक एकीकृत बल में लाने की योजना बना रहे थे, जो दुर्योग से अधूरी रह गई। उम्मीद करनी चाहिए कि आने वाले दिनों में यह काम जरूर पूरा होगा।

जनरल रावत ने अपने लंबे सैन्य जीवन में एक जांबाज सैनिक और अचूक रणनीतिकार की अपनी छवि बनाई थी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी लड़ाई में योगदान के कारण उन्हें पुरस्कार मिला था। पूर्वोत्तर में उग्रवाद-विरोधी अभियानों में उनकी सक्रियता भी उतनी ही देखने लायक थी। इस संदर्भ में खासकर 2015 में नगा उग्रवादियों को करारा जवाब देने के लिए म्यांमार स्थित उनके शिविरों को निशाना बनाने की घटना याद की जा सकती है, जिसे औपचारिक तौर पर पहली सर्जिकल स्ट्राइक माना जाता है। उरी में हुए हमले के बाद उनकी सक्रियता देखने लायक थी। वह युद्धभूमि में एक सख्त सैनिक थे, तो रात-रात भर जागकर सैन्य व्यूह रचना करने वाले अनूठे योजनाकार भी थे। पुलवामा हमले के जवाब में की गई सर्जिकल स्ट्राइक दुनिया ने देखी। जनरल रावत, जाहिर है, उस जवाबी हमले के योजनाकारों में से थे। शीर्ष सेनाधिकारी के तौर पर जनरल बिपिन रावत ने अपनी गहरी छाप छोड़ी। उनके समय में पाकिस्तान और चीन, दोनों के खिलाफ सख्ती हमारी सेना के हौसले और मनोबल के बारे में ही बताती थी। भारतीय सेना ने युद्ध के मैदान में हमेशा ही शौर्य का परिचय दिया है। आज का भारत एक साथ दो मोर्चों पर बढ़े हुए मनोबल के साथ लड़ सकता है। जनरल रावत ने इसके अलावा कई बार अपने फैसलों, विचारों और टिप्पणियों से भी भारतीय सेना की बनी-बनाई छवि तोड़ी। चाहे वह कश्मीर के बड़गाम में पत्थरबाजों से बचाव के लिए एक आम नागरिक को सेना की जीप के बोनट पर बांधकर घुमाने वाले मेजर गोगोई को दिया गया पुरस्कार हो या फिर सीएए के खिलाफ आंदोलन करने वालों की आलोचना या फिर सरकार की नीतियों का समर्थन। इन सबके जरिये जनरल रावत ने यह संदेश दिया कि देश के जिन मुद्दों से सेना का सीधे जुड़ाव है, उन पर सेनाधिकारियों को टिप्पणी करने का अधिकार है। हां, जिन मुद्दों से सेना का कोई लेना-देना नहीं, उन पर जरूर टिप्पणी करने से उसे बचना चाहिए। लेकिन इस सोच का समर्थन नहीं किया जा सकता कि सेना को राजनीति से दूर ही रहना चाहिए। चूंकि रक्षा प्रमुख जनरल रावत, उनकी पत्नी और दूसरे सैन्य सहयोगियों को ले जा रहा हेलीकॉप्टर एमआई-17, वी5 के दुर्घटनाग्रस्त होने से यह हादसा हुआ, ऐसे में इस हेलीकॉप्टर पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि जांच में सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। इसलिए जल्दबाजी में इस हेलीकॉप्टर की क्षमता पर सवाल उठाना सही नहीं है, क्योंकि इसे सबसे सुरक्षित हेलीकॉप्टर माना जाता है। फिर यह भी नहीं भूल सकते कि इस तरह के हादसे इससे पहले भी हुए हैं। अव्वल तो जैसा कि बताया गया है, धुंध के कारण दृश्यता बहुत कम थी। तिस पर हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त इस तरह की समस्या आ जाती है। लिहाजा यह उस हेलीकॉप्टर की क्षमता पर सवाल उठाने का सही समय नहीं है।

## भारतीय अर्थव्यवस्थाः आंकड़ों से आगे

बहस शुरू हो चुकी है, बावजूद इसके कि सरकारी पक्ष के शीर्ष वक्ता अपनी विदाई की तैयारी कर रहे हैं। क्या अर्थव्यवस्था किनारे पहुंच चुकी है? क्या हम दो अंकों वाली विकास दर के रास्ते पर हैं? सीएसओ (केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय) के 2021-22 की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) की विकास दर के अनुमान ने सरकार को खुश होने का कुछ मौका दिया है। दूसरी तिमाही में 8.4 फीसदी की जीडीपी विकास दर का उपहास नहीं किया जा सकता, भले ही यह पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में -7.4 फीसदी के निम्न आधार पर हो। और भले ही यह क्रमिक रूप से 2021-22 की पहली तिमाही के 20.1 फीसदी से कम क्यों न हो। जिन आंकड़ों ने सरकार के चेहरे पर मुस्कराहट लाई है, उन्हें उच्च आवृत्ति वाले संकेतक कहा जा रहा है और इनमें कर संग्रह, यूपीआई का आकार, ई-वे बिल, रेलवे की माल ढुलाई का ट्रैफिक, बिजली की खपत इत्यादि शामिल हैं। ये सिर्फ आंकड़े हैं, न कि लोग, और निश्चित रूप से ये वे लोग तो नहीं ही हैं, जो कि अनौपचारिक क्षेत्र पर निर्भर हैं, जिनका हमारे पास डाटा नहीं है या फिर ये आर्थिक पिरामिड के निचले हिस्से के लोग हैं। यह एक गंभीर विचार है कि वित्त मंत्रालय के अधिकारी जब जय-जयकार कर रहे थे, अन्य मंत्री और सत्ताधारी पार्टी के सांसद चुप थे, और लोग वास्तव में जश्न नहीं मना रहे थे! सीएसओ के अनुमानों से प्रेरित सुर्खियां एक या दो दिन में गायब हो गईं और पेट्रोल, डीजल, कुकिंग गैस, टमाटर तथा प्याज के बढ़ते दामों और बाजार में उपभोक्ताओं की कमी ने फिर से उनकी जगह ले ली। सीएसओ के वही अनुमान इस तथ्य को भी रेखांकित करते हैं कि लोग न तो पर्याप्त मात्रा में खरीद कर रहे थे और न ही पर्याप्त उपभोग कर रहे थे। निजी खपत, विकास के चार इंजनों में सबसे प्रमुख इंजन है। जीडीपी का यह करीब 55 फीसदी होती है। जरा महामारी से पूर्व के वर्ष (2018-19 और 2019-20), महामारी से प्रभावित वर्ष (2020-21) और तथाकथित रिकवरी वर्ष (2021-20) के निजी खपत के आंकड़ों पर गौर करें।

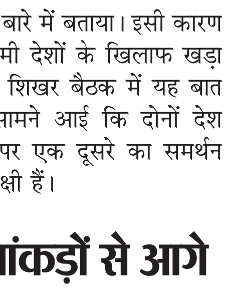

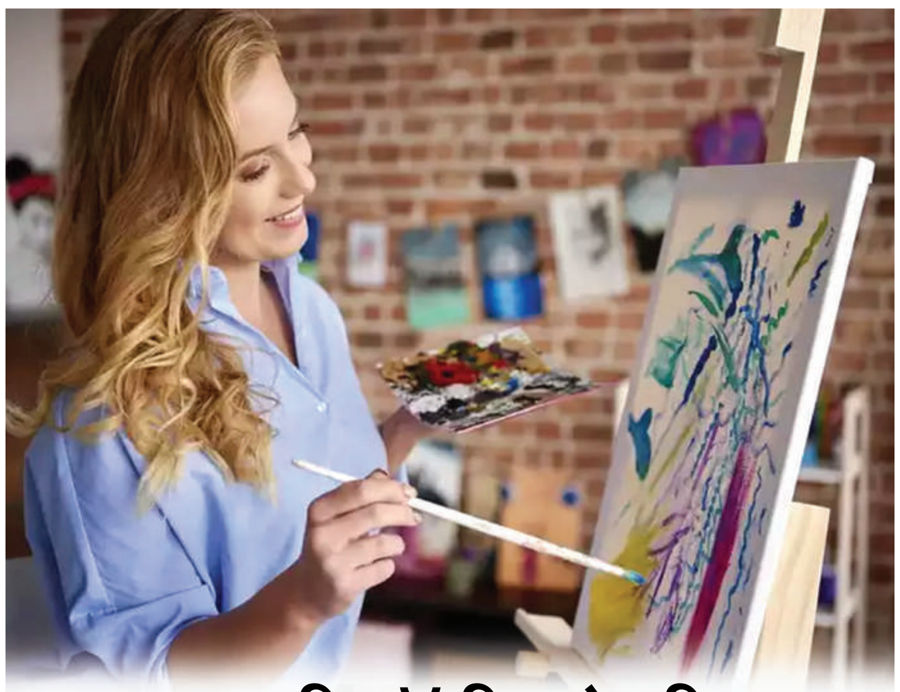

# अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

**आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।**

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

### सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

### सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

### शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

### पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

### अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

### अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

### इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

# सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

# स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

**यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने़ में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने़ के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।**

## कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

## कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना़ चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

## योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

### प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
- माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

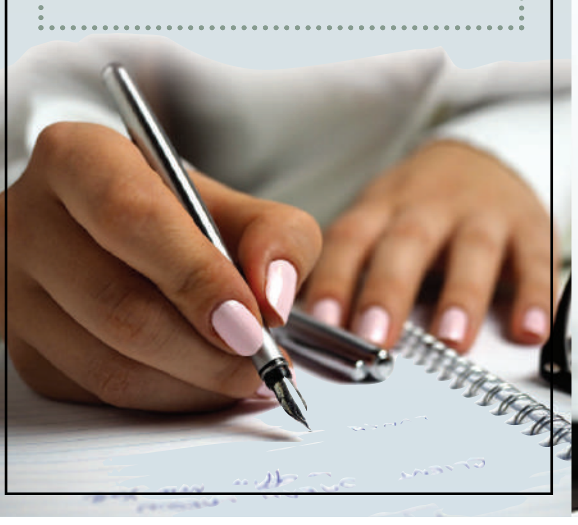

# लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

**भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।**

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

# पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

**आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।**

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पहली पंसद है वायर्ड हेडफोन, वायरलेस गैजेट के हैक होने का खतरा

**वाशिंगटन।** अमेरिकी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ब्लूटूथ ऑडियो डिवाइस का यूज नहीं करतीं। उन्हें ऐसा लगता है कि वायरलेस ऑडियो डिवाइस से पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते। अमेरिकी मीडिया कंपनी पोलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस ब्लूटूथ हेडफोन्स की बजाय वायर्ड हेडफोन्स को इस्तेमाल करना पसंद करती हैं। वे अपनी सुरक्षा और टेक्नोलॉजी को लेकर बेहद सावधानी दिखाती हैं। उनकी ये सोच कितनी सही है? क्या वाकई ब्लूटूथ हेडफोन्स, एयरपॉड्स को हैक किया जा सकता है? इस खबर में जानते हैं... इस मामले पर कई एक्सपर्ट का कहना है कि हैरिस एकदम सही करती हैं, क्योंकि ब्लूटूथ कनेक्शन को हैक किया जा सकता है। सीनेट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि साइबर क्रिमिनल्स ब्लूटूथ कनेक्शन को हैक करके आपके डिवाइस को कंट्रोल कर सकते हैं। मैलेशियस कोड्स की मदद से हैकर्स आपकी बातचीत भी सुन सकते हैं। ब्लूटूथ हेडसेट की मदद से क्या डिवाइस हैक कर सकते हैं?2109 में कंप्यूटर एंड कम्यूनिकेशंस सिक्योरिटी को लेकर इस बात का खुलासा किया गया था कि ब्लूटूथ गैजेट्स से आपका पर्सनल डेटा चोरी किया जा सकता है। रिसर्च के अनुसार, इन स्मार्ट गैजेट्स में फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, वायरलेस ईयरफोन, स्मार्ट स्पीकर और स्मार्टहोम डिवाइसेज शामिल हैं। कैम्ब्रिज में रहने वाले सिक्योरिटी एनालिस्ट मैथ्यू टाउनसेंड का मानना है कि ब्लूटूथ हेडसेट की मदद से किसी डिवाइस के डेटा के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है।

**लूस्नारफिंग:** एक वायरलेस डिवाइस से ब्लूटूथ कनेक्शन के जरिए फोन, डेस्कटॉप, लैपटॉप के बीच के डेटा शेयर किया जाता है। यह कैलेंडर, कॉन्टैक्ट लिस्ट, ईमेल और टेक्स्ट मैसेज तक पहुंचने की परमिशन देता है। वहीं, कुछ फोन्स पर यूजर्स फोटो और वीडियो को कॉपी कर सकता है।

**ब्लूजैकिंग:** इस प्रोसेस से ब्लूटूथ को ब्लूटूथ से कनेक्ट करके किसी फोन या अन्य डिवाइस पर अवांछित (अन्सलिसिटिड) मैसेज को फोन, लैपटॉप, PDA (पर्सनल डिजिटल असिस्टेंट) पर भेजा जाता है। OBEX फाइल के जरिए किसी अन्य ब्लूटूथ अनेबल डिवाइस पर मैसेज भेजकर डेटा चोरी कर सकते हैं कोविड महामारी में वर्क फ्रॉम होम की वजह से ब्लूटूथ हेडफोन की डिमांड बढ़ी है। कोविड महामारी में वर्क फ्रॉम होम की वजह से ब्लूटूथ हेडफोन की डिमांड बढ़ी है। ट्रू वायरलेस स्टीरियो की डिमांड दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट ने कुछ महीने पहले अनुमान लगाया था कि 2021 में इसकी सालाना ग्रोथ 33 फीसदी रहेगी। इसकी 310 मिलियन (31 करोड़) यूनिट बिकेंगी। 2020 में TWS की सालाना ग्रोथ 78 फीसदी रही। कोविड महामारी में वर्क फ्रॉम होम की वजह से इनकी डिमांड बढ़ी है। बीते साल दुनियाभर में इनकी 233 मिलियन (23.3 करोड़) यूनिट की बिक्री हुई थी दुनियाभर में वायरलेस ब्लूटूथ हेडफोन का मार्केट 2027 तक 18,680 मिलियन डॉलर (करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए) का हो जाएगा। इसमें 2021-2027 के दौरान 10.6 फीसदी CAGR से ग्रोथ होगी। इसमें सबसे बड़ा प्लेयर अमेरिकन कंपनी एपल होगी। उसके साथ LG, सोनी, GN, सैमसंग जैसी कंपनियां भी शामिल होंगी।

## अमेरिका के 5 राज्यों में तूफान से तबाही

# अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत; अमेजन का वेयरहाउस गिरने से 100 से ज्यादा लोग दबे

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन**

अमेरिका के कम से कम 5 राज्यों में शुक्रवार-शनिवार की रात में एक साथ आए कई साइक्लोन आपस में जुड़ जाने के कारण भारी तबाही मच गई है। केंटकी राज्य में ही 100 लोगों के मारे जाने की खबर है और बहुत सारे लोग अब भी मलबे के नीचे दफन हैं। यहां सबसे ज्यादा तबाही मेफील्ड में हुई है, जिसे सभी साइक्लोन का ग्राउंड जीरो माना जा रहा है। मेफील्ड में एक मोमबत्ती फैक्टरी के गिरने से 18 लोगों की मौत हो गई। इलिनोइस राज्य में अमेजन कंपनी का एक वेयरहाउस ध्वस्त हो गया है, जिसके मलबे में करीब 100 कर्मचारी दब गए हैं। इसके अलावा आर्कन्सास में एक नर्सिंग होम की बिल्डिंग ढहने से 20 लोग दब गए, जिनमें 2 की मौत हो गई।

### केंटकी के गवर्नर ने कहा- राज्य के इतिहास का सबसे भयानक तूफान

केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने इस तूफान को अपने राज्य के इतिहास का सबसे भयानक तूफान बताया है। उन्होंने राज्य में आपातकाल की घोषणा कर दी है और साथ ही बताया कि रेस्क्यू टीमें इलाके में मौजूद हैं और राहत व बचाव का काम जारी है। उन्होंने कई जगह लोगों के मलबे में दबे होने की पुष्टि की है और आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या राज्य की 10 काउंटियों में 100 के पार पहुंच सकती है। केंटकी में 2 लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई है।

**सबसे ज्यादा तबाही मेफील्ड इलाके में, 200 मील प्रति घंटा का था तूफान**

मेफील्ड शहर की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें भयानक तबाही दिखाई दे रही है। शहर के तकरीबन सभी घर ध्वस्त हो चुके हैं और जगह-जगह लोहे के खंभे

आदि मुड़े हुए हैं, जो बेहद भयावह लग रहे हैं। यहां करीब 70 मील/घंटा की गति वाले तूफान से शुरुआत हुई, जो बढ़कर 200 मील/घंटा की गति तक पहुंच गया। तूफान के इस लेवल को बेहद खतरनाक की कैटेगरी में रखा जाता है।

**मोमबत्ती कारखाना ध्वस्त, कैदियों की मदद से चलाया जा रहा बचाव अभियान:-** मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मेफील्ड इलाके में मोमबत्ती के कारखाने को तूफान से काफी नुकसान पहुंचा है। गवर्नर बेशियर के मुताबिक, तूफान जब फैक्ट्री से टकराया, उस वक्त इसमें करीब 110 लोग काम रहे थे। यहां कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है, जिन्हें बचाने के लिए नजदीक ही मौजूद ग्रेव्स काउंटी जेल के कैदियों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हालांकि कुछ सूत्रों ने यहां 18 शव मिलने की बात कही है, लेकिन गवर्नर ने 10 लोगों के मरने की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने कुछ और लोगों की मौत की संभावना भी जताई है। आर्कन्सास राज्य में एक नर्सिंग होम भी तूफान की चपेट में आया है। इसके असर से नर्सिंग होम में 2 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। इसमें करीब 90 बिस्तर हैं। वहीं, अमेजन के गोदाम की छत ढह जाने से कई लोगों के घायल होने की खबर है।

### अमेजन वेयरहाउस में बड़े पैमाने पर लोगों के मरने की संभावना

रिपोर्ट के मुताबिक, इलिनोइस के एडवर्ड्सविले के पास ध्वस्त हो गए अमेजन वेयरहाउस पर कई इमरजेंसी गाड़ियां पहुंची हैं। यहां घायलों की सही संख्या अभी तक सामने नहीं आई है। लेकिन एक आदमी की मौत की पुष्टि न्यूज एजेंसी‚ क्व ने की है। इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने फेसबुक पर इसे %बड़े पैमाने पर हताहत होने वाली घटना% बताया है।

### मोनेट मोनोर इलाके में 5 घायल, 20 लोग फंसे

क्रेगहेड काउंटी के जस्टिस मार्विन डे ने बताया कि उत्तरी आर्कन्सास के मोनेट मोनोर इलाके में बवंडर उठने के बाद 5 अन्य लोग घायल हो गए और 20 लोग फंस गए। जानकारी के मुताबिक ट्रूमैन से रेस्क्यू टीम और जोनेसबोरो से पुलिस और फायर ब्रिगेड के लोग मदद के लिए इलाके में पहुंचे हैं।

### मिसौरी में 112 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं

मिसौरी में सेंट चार्ल्स और सेंट लुइस काउंटी के कुछ हिस्सों में 112 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की खबर है। सेंट चार्ल्स काउंटी के तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा ऑगस्टा और मिसौरी में कई मकानों के गिरने की रिपोर्ट है। राष्ट्रपति बाइडेन ने ट्वीट कर जताई चिंता अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शनिवार सुबह ट्वीट कर पांच राज्यों में आए भयानक तूफान पर चिंता जताई है। साथ ही उन्होंने अपने एडमिनिस्ट्रेशन को रेस्क्यू अभियान में मदद करने के लिए कहा है।

## विवादों के कार्यकाल का 1 साल : बाइडेन से अनबन के चलते कमला हैरिस का सियासी भविष्य अधर में

**वाशिंगटन।** अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के लिए एक साल का कार्यकाल विवादों और राष्ट्रपति जो बाइडेन से टकराव की खबरों से भरा रहा। पिछले साल जब पहली महिला और अश्वेत उपराष्ट्रपति के रूप में उन्होंने काम संभाला तो उनको क्षमताओं से भरपूर आंका गया। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि वे बार-बार विवादों में उलझती रहीं। अभी उपराष्ट्रपति वह क्षमता नहीं दिखा सकीं, जिसके बारे में पहले काफी चर्चा हुई। उपराष्ट्रपति की कोर टीम के लोग इससे नाराज हैं कि व्हाइट हाउस उन्हें तवज्जो नहीं दे रहा है। हालांकि हैरिस इससे इनकार करती हैं कि उनके और बाइडेन के बीच समस्या है। फिर भी ऐसी अटकलें हैं कि यदि बाइडेन 2024 में फिर राष्ट्रपति का चुनाव लड़े तो उपराष्ट्रपति पद के लिए कमला की उम्मीदवारी तय नहीं होगी। बाइडेन मैदान में नहीं उतरे तब भी गारंटी नहीं कि सिलिकॉन वैली की उम्मीदवार मानी जाने वाली कमला राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी। इन सबके बीच कमला ने कुछ सहयोगियों से कहा है कि राजनीतिक तौर पर वह जो करने में समर्थ हैं उसे कर पाने में बंधन महसूस करती हैं। यही वजह है कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर सहयोगी कुछ बोलने में सतर्कता बरतते हैं। टीम हैरिस के निष्क्रिय होने की खबरें लीक हो गईं और ऐसी रिपोर्ट हैं कि उनके दफ्तर का बाइडेन के कुछ धड़ों से तनाव चल रहा है। कमला के मुख्य प्रवक्ता सिमोन सैंडर्स और उनके संचार निदेशक एशले एटिएन के इस्तीफों से विवाद की अटकलों को बल मिल रहा है। हालांकि कुछ विशेषज्ञ इसे इमेज की समस्या मानते हैं। उनके मुताबिक लोग ऐतिहासिक उपराष्ट्रपति से रोज इतिहास रचने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि वास्तव में वह नंबर दो की भूमिका निभाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बीच अनबन पहली बार नहीं है। रोनाल्ड रीगन और उनके उपराष्ट्रपति जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश के बीच तनाव था। वहीं, ओबामा के साथ बाइडेन का संबंध भी जटिल था।

### कमला को सियासी चुनौती वाली जिम्मेदारियां दी गईं

टीम हैरिस का मानना है कि उन्हें मिली जिम्मेदारियां सियासी रूप से अहम नहीं। बाइडेन ने सबसे पहले सीमा की जिम्मेदारी दी। टीम बाइडेन का कहना है कि बराक ओबामा ने उपराष्ट्रपति बाइडेन को यही जिम्मेदारी दी थी। वहीं, फ्रांस से राजनयिक तनाव के बाद पिछले महीने उपराष्ट्रपति वहां गई थीं। उनकी यात्रा सफलता से पूरी हो रही थी कि वे 375 डॉलर का कॉपर पॉट खरीदने के विवाद में उलझ गईं।

## नोबेल शांति अवॉर्ड से सम्मानित पत्रकार मारिया रेसा की स्पीच

# सत्ता और पैसे के लिए सोशल मीडिया कंपनियों का घातक खेल, ये हमारे निजी जीवन को निचोड़ रहीं

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन**

'मैं यहां आपके सामने खड़ी हूं, तो दुनियाभर के हर उस पत्रकार का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, जिसे सत्य पर अडिग रहने, अपने मूल्यों और मिशन के प्रति सच्चा बना रहने, सत्ता को जवाब देने के लिए त्याग करने को मजबूर होना पड़ा। हम पत्रकार एक सिक्के के दो समान पहलुओं को साथ रखने की कोशिश करते हैं। इसके एक तरफ पत्रकार हैं...पुराने रक्षक। दूसरी तरफ असीम शक्ति से लैस तकनीक है... नई रक्षक। इस दूसरे पहलू ने झूठ के वायरस को हमें संक्रमित करने, एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने, हमारे डर, क्रोध, नफरत को बाहर निकालने और सत्तावादी तथा तानाशाहों के उभरने के लिए मंच तैयार करने का मौका दे दिया है। आज हमारी सबसे बड़ी जरूरत उस नफरत और हिंसा को बदलने की है, जो हमारे सूचना पारिस्थितिकी तंत्र के जरिये फैल रही है। अमेरिकी इंटरनेट कंपनियां इसे प्राथमिकता देती हैं। उस नफरत को फैलाकर पैसा कमाती हैं। पांच

साल पहले जब हमने फिलिपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतर्ते के ड्रग्स और मार्क जकरबर्ग के फेसबुक से छुटकारा पाने की मुहिम शुरू की, तब हम पर हमले शुरू हुए। आज हालत और बदतर हुए हैं। सोशल मीडिया पर जो होता है, वह केवल सोशल मीडिया पर नहीं रहता। वर्चुअल प्लेटफॉर्म से शुरू हुई हिंसा असल दुनिया में फैल जाती है। अमेरिकी चुनाव के बाद कैपिटॉल हिल इसका ताजा उदाहरण है। दरअसल, सोशल मीडिया सत्ता और पैसे का ऐसा घातक खेल है, जो कॉर्पोरेट लाभ के लिए हमारे निजी जीवन को निचोड़ रहा है। हमारे व्यक्तिगत अनुभवों का एआई डेटाबेस के जरिए दोहन कर ऊंचे दामों पर बेच दिया जाता है। ऐसी विनाशकारी कंपनियां न्यूज ऑर्गेनाइजेशन के रेवेन्यू पर एक तरीके से डाका डाल रही हैं और बाजार तथा चुनावों के लिए खतरा बन गई हैं। फेसबुक दुनिया का सबसे बड़ा न्यूज डिस्ट्रीब्यूटर बन गया है। शोध बताते हैं कि क्रोध और नफरत से भरा झूठ तथ्यों की तुलना में तेजी से फैलता है। हमारे वैश्विक सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को नियंत्रित करने वाली ये अमेरिकी कंपनियां तथ्यों के प्रति पक्षपाती हैं। वे हमें बांट रही हैं और कट्टरपंथी बना रही हैं। मैंने यह बार-बार कहा है कि तथ्य के बिना, आप सच नहीं हो सकते। सच के बिना आप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। दुष्प्रचार स्थानीय और वैश्विक समस्या है। सितंबर 2020 में फेसबुक द्वारा हटाए चीनी सूचना ऑपरेशन को लें- यह अमेरिकी चुनावों के लिए एआई की मदद से नकली अकाउंट बना रहा था, जिसमें वह मार्कोस की इमेज चमका रहा था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में इंडिया गेट पर स्वर्णिम विजय पर्व के उद्घाटन के दौरान एक प्रदर्शनी का दौरा करते हुए।

# अमेरिका में वेंटिलेटर कम पड़े, स्विट्जरलैंड में लॉकडाउन संभव; ओमिक्रॉन के साए में अमेरिका-यूरोप में खराब होते हालात

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन**

नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के साए के बीच अमेरिका और यूरोप में कोरोना के कारण हालात लागतार बिगड़ रहे हैं। अमेरिका के मिशिगन राज्य में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी के कारण अस्पतालों में वेंटिलेटरों की बेहद कमी है। पिछले 24 घटों के दौरान मिशिगन में कोरोना के 11783 नए मामले सामने आए। साथ ही रिकॉर्ड 235 मौतें दर्ज की गईं। इंडियाना राज्य में पिछले दो सप्ताह के दौरान मामलों में 49 फीसदी की तेजी आई है। ऐसे में वहां अस्पतालों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए नेशनल गार्ड बुलाए गए हैं। इस बीच अमेरिका में अब तक ओमिक्रॉन के 43 मामले सामने आ चुके हैं। यूरोप में भी कोरोना के मामलों में तेजी देखी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि सर्दी बढ़ने और क्रिसमस के कारण बाजारों में भीड़भाड़ के कारण ऐसा हो रहा है। उधर, स्विट्जरलैंड में फिर से लॉकडाउन लगाने के हालात पैदा हो गए हैं। ब्रिटेन में भी नए मामलों में तेजी आई है। इस बीच जर्मनी में डॉक्टरों की एसोसिएशन

ने चौथी डोज की भी सिफारिश की है। अब तक जर्मनी में 11 लाख लोगों को तीसरी डोज लग चुकी है। ब्रिटेन के शीर्ष रोग विज्ञानी प्रो. इलीयानोर रीले ने आशंका जताई है कि ओमिक्रॉन वायरस के चलते यदि सरकार की ओर से कड़ाई नहीं की गई तो अगले पांच महीनों के दौरान ब्रिटेन में 75 मौतें हो सकती हैं। साथ ही प्रतिदिन लगभग 2500 ओमिक्रॉन के मरीज आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल साइंस ने एक वैज्ञानिक मॉडल के आधार पर ये आशंका जताई है। इस बीच शनिवार को ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के एक दिन के सर्वाधिक 633 नए केस सामने आए हें। ब्रिटेन में इस सप्ताह कोरोना के नए रोगियों की संख्या में 15 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। कोरोना संक्रमण में तेजी के कारण यूरोप में कई देशों की सरकारें प्रतिबंधों का ऐलान कर रही हैं। फ्रांस, जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड में वैक्सीन की अनिवार्यता लागू की जा रही है। साथ ही कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज के लिए अभियान भी छेड़ा गया है। लेकिन इसका कई संगठन विरोध कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना में शनिवार को भी बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतर कर प्रतिबंधों का विरोध किया।

पटना के दानापुर में बिहार पंचायत चुनाव के लिए वोट डालने के लिए लोगों की लंबी कतार लगी हुई है।

# वेस्टइंडीज की टीम पर कोरोना का अटैक:पाकिस्तान दौरे पर आई वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ी टी-20 सीरीज शुरू होने से पहले कोरोना संक्रमित

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन**

पाकिस्तान से टी-20 सीरीज शुरू होने से पहले ही वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ी कोरोना संक्रमित है। वेस्टइंडीज टीम पाकिस्तान के दौरे पर है। उसे तीन टी-20 मैचों की सीरीज का पहला मैच 13 दिसंबर को कराची के नेशनल स्टेडियम में खेलना है। उससे पहले ही तीन खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इन सभी को आइसोलोट किया गया है।

### संक्रमित खिलाड़ी सीरीज से बाहर

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक रोस्टन चेज, शेल्डन कॉट्रेल और काइल मायर्स इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। इन तीनों खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। वेस्टइंडीज

क्रिकेट बोर्ड के सीईओ जॉनी ग्रेव ने कहा,%सभी खिलाड़ी अपने होटल में थे और ऐसे में सीरीज पर कोई खतरा नहीं है। हमारे पहुचंने पर टेस्टिंग प्रोटोकॉल के बाद पता चला है कि तीन खिलाड़ी कोरोना संक्रमित है। इसकी जानकारी जब मिली, उस वक्त खिलाड़ी और स्टाफ होटल में आइसोलेशन में थे, और इसलिए हमारी तैयारी की योजनाओं को लगे झटके के बावजूद हमें यकीन है कि दौरा जारी रहेगा। पाकिस्तान पहुंचने से पहले सभी खिलाड़ी नेगेटिव पाए गए थे और कराची पहुंचने के बाद किए गए दो टेस्ट में भी अन्य सभी नेगेटिव पाए गए हैं।

### पाकिस्तान के लिए वेस्टइंडीज का दौरा महत्वपूर्ण

पाकिस्तान क्रिकेट के लिए वेस्टइंडीज का दौरा बेहद अहम है। क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप से पहले न्यूजीलैंड टीम दौरे पर आई थी और टी-20 सीरीज शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही सुरक्षा का हवाला दौरे को रद्द कर दिया था। वहीं उसके बाद इंग्लैंड टीम ने भी दौरा को रद्द कर दिया था। इससे पाकिस्तान की काफी किरकिरी हुई थी।

### वेस्टइंडीज के पाकिस्तान दौरे का पूरा शेड्यूल

13 दिसंबर- पहला टी20, कराची
14 दिसंबर- दूसरा टी20, कराची
16 दिसंबर- तीसरा टी20, कराची
18 दिसंबर- पहला वनडे, कराची 20 दिसंबर- दूसरा वनडे, कराची 22 दिसंबर- तीसरा वनडे, कराची

## न्यूज ब्रीफ

### रुतुराज ने लगाई शतकों की हैट्रिक, 96.12 की स्ट्राइक रेट से बनाए कुल इतने रन

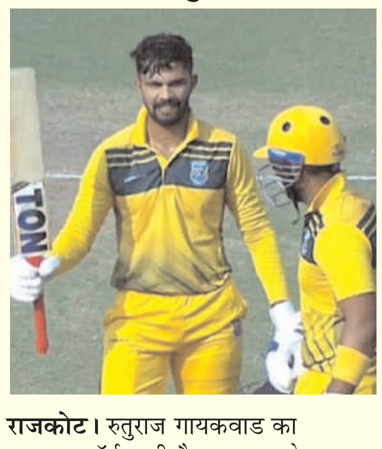

**राजकोट।** रुतुराज गायकवाड का शानदार फॉर्म जारी है। महाराष्ट्र के कप्तान ने विजय हजारे ट्रॉफी 2021-22 में अपना लगातार तीसरा शतक बनाया और आराम से घरेलू वनडे प्रतियोगिता के शीर्ष रन स्कोरर बने हुए हैं। हालांकि पहले दो मैचों के विपरीत, इस बार महाराष्ट्र को हार मिली क्योंकि केरल के निचले मध्य क्रम ने उन्हें जीत दिला दी। गायकवाड ने पहले दो मैचों में 136 और नाबाद 154 का स्कोर करने के बाद केरल के खिलाफ इस मुकाबले में 96.12 की स्ट्राइक रेट से 129 गेंद में 9 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 124 रन बनाए, लेकिन राहुल त्रिपाठी के 108 गेंद में 99 रन के अलावा महाराष्ट्र के किसी अन्य बल्लेबाज़ ने 20 से अधिक नहीं बनाए। इन दो पारियों ने टीम को आठ विकेट पर 291 के बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। तेज गेंदबाज़ एमडी निधीश ने 49 रन देकर पांच विकेट लिए। महाराष्ट्र ने 11वें ओवर में केरल का स्कोर 4 विकेट पर 35 रन कर दिया था, लेकिन नंबर छह पर बल्लेबाजी करने आए संजू सैमसन और जलज सक्सेना ने 73 रन की साझेदारी करके टीम को नींव प्रदान की। हालांकि दोनों बल्लेबाझ अर्धशतक से चूके और आउट हो गए। केरल अब 120 रन पर छह विकेट गंवा चुका था, लेकिन विष्णु विनोद ने सिजुमन जोसेफ के साथ मिलकर 141 गेंदों में नाबाद 174 रनों की शानदार साझेदारी की। विनोद ने सिर्फ 82 गेंदों पर शतक लगाया जबकि जोसेफ 71 गेंद पर 70 रन बनाकर नाबाद रहे और 1.1 ओवर शेष रहते टीम को जीत दिला दी।

### पंजाब पुलिस ने जीता अखिल भारतीय पुलिस हॉकी खिताब

**बेंगलुरु।** मजबूत टीम पंजाब पुलिस ने शनिवार को यहां फाइनल में आईटीबीपी जालंधर को एकतरफा अंदाज में 7-1 से हराकर 70वीं अखिल भारतीय पुलिस हॉकी चैंपियनशिप खिताब जीत लिया। पंजाब पुलिस ने चोट के कारण खेलने में असमर्थ स्टार स्ट्राइकर रमनदीप सिंह के बिना मैच में प्रभावशाली जीत दर्ज की। टीम ने आक्रामक तरीके से शुरुआत की, परिणामस्वरूप आईटीबीपी जालंधर पर दबाव बना, जिससे वह मैच के अंत तक उबर नहीं पाया। पंजाब पुलिस की टीम की ओर से लगातार अंतराल पर गोल किए गए। लगभग हर क्वार्टर में एक गोल हुआ। स्कोर का खाता हरदीप सिंह ने 14वें मिनट में खोला, जिसके बाद करनबीर सिंह ने 17वें और 39वें, कंवरजीत सिंह ने 20वें, कप्तान दुपिंदरदीप सिंह ने 41वें, जगमीत सिंह ने 53वें और बलविंदर सिंह ने 55वें मिनट में गोल किए। आईटीबीपी जालंधर की ओर से 27वें मिनट में एकमात्र गोल दागा गया जो सुनील किज्जुर के नाम रहा।

## भारत का साउथ अफ्रीका दौरा

# रोहित-विराट समेत भारतीय खिलाड़ियों मुंबई में जुटेंगे; 16 दिंसबर को टीम होगी रवाना

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया के लिए चयनित खिलाड़ी आज से मुंबई में एकत्रित होंगे। यहां पर तीन दिन क्वारैंटाइन रहने के बाद 16 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के लिए रवाना होंगे। साउथ अफ्रीका दौरा 26 दिसंबर से शुरू हो रहा है। भारतीय खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खत्म होने के बाद अपने घर लौट गए हैं और परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ रोहित और विराट भी पहुंचेंगे। वह भी टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ बायो-बबल में रहेंगे। उसके बाद 16 दिसंबर को जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होंगे।

### पुजारा ने दौरे से पहले परिवार के साथ फोटो शेयर किया

भारत के टेस्ट स्पेशलिस्ट चेतेश्वर पुजारा ने सोशल मीडिया पर परिवार साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि अगले दौरे से शुरू होने से पहले घर पर आखिरी दिन। आगे की चुनौतियों के लिए तैयार लेकिन इन दोनों को मिस करन का गम।

### 17 दिसंबर को जोहान्सबर्ग पहुंचेगी टीम इंडिया

मीडिया के रिपोर्ट मुताबिक भारतीय टीम 17 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में पहुंचेगी। वह आइरिन लॉज होटल में रूकेगी। भारत को पहला टेस्ट 26 दिसंबर से खेलना है। ये बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा। जो कि सेंचुरियन में सुपर स्पोर्ट्स पार्क पर खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के लिए केप टाउन रवाना होने से पहले तक भारतीय टीम यहीं पर रूकेगी।

### मैच के शेड्यूल

पहला टेस्ट- 26 से 30 दिसंबर, 2021 (सेंचूरियन)
दूसरा टेस्ट- 3 से 7 जनवरी, 2022 (जोहान्सबर्ग )
तीसरा टेस्ट- 11 से 15 जनवरी, 2022 (केप टाउन)
वनडे सीरीज
पहला वनडे- 19 जनवरी, 2022 (पार्ल)
दूसरा वनडे- 21 जनवरी, 2022 (पार्ल)

# सिंधु के पास चैंपियनशिप में 6 मेडल जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने का मौका

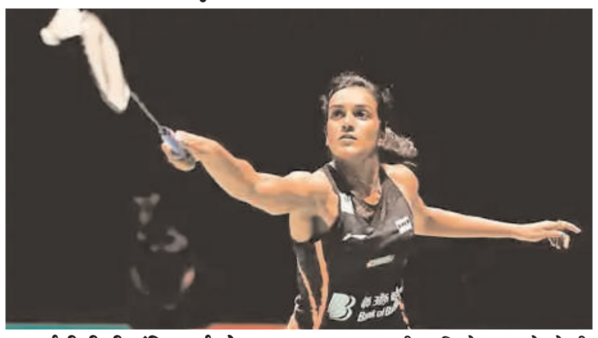

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

बैडमिंटन की वर्ल्ड चैंपियनशिप रविवार से ह्यूलवा के कैरोलिना मारिन स्पोर्ट्स पैलेस में शुरू हो रही है। इसमें पीवी सिंधु की अगुवाई में भारत के 25 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु डिफेंडिंग चैंपियन हैं। उन्होंने 2019 में बासेल में खिताब जीता था। तब वे भारत की इस खेल की पहली वर्ल्ड चैंपियन बनी थीं। 26 साल की सिंधु चैंपियनशिप में एक गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज जीत चुकी हैं। अब उनके पास सबसे ज्यादा 6 मेडल जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने का मौका था। उनके और चीन की झेंग निंग के 5-5 मेडल हैं। तीन बार की चैंपियन और स्थानीय खिलाड़ी कैरोलिना मारिन और 2017 की विजेता नोजोमी ओकुहारा टूर्नामेंट से हट गई हैं। भारत की साइना नेहवाल चोट की वजह से पहली बार चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगी। सिंधु को पहले राउंड में बाई मिली है। दूसरे राउंड में उनका सामना मार्टिना रेपिस्का से होगा।

**ब्रॉन्ज मेडलिस्ट प्रणीत का पहला मुकाबला केलजो से**

पुरुष सिंगल्स में 12वीं सीड किदांबी श्रीकांत का पहला मैच स्पेन के पाब्लो एबियन और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बीसाई प्रणीत का पहला मुकाबला नीदरलैंड के मार्क केलजो से होगा। पूर्व नंबर-10 खिलाड़ी एचएस प्रणय लोंग एंगस से भिड़ेंगे जबकि लक्ष्य सेन के विरोधी चैंपियनशिप से हट गए हैं। डबल्स में भारत की 11 जोड़ियां हिस्सा ले रही हैं। चैंपियनशिप में 50 देशों के 337 खिलाड़ी उतर रहे हैं।

नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पांचवीं बार शतरंज के वर्ल्ड चैंपियन बने। 31 साल के कार्लसन ने अपना खिताब बचाया। वे 2013 से लगातार वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्होंने दुबई में आयोजित वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में रूसी ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमनियाचिटची को हराया। नेपो आखिरी गेम में जिस तरह हारे, उसे चैंपियनशिप के 135 साल के इतिहास में सबसे खराब पतन कहा जा रहा है।

# भारत के नए अंडर-19 कैप्टन की कहानी:यश ढुल को क्रिकेटर बनाने के लिए पिता ने पूरी कमाई उन पर लगा दी

### दादा की पेंशन से चलता था घर

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

UAE में होने वाले अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप के लिए यश ढुल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया है। दिल्ली के जनकपुरी के रहने वाले यश ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत में कहा कि उनके पिता विजय कुमार का सपना था कि वह देश के लिए क्रिकेट खेलें, लेकिन परिवार की आर्थिक समस्याओं की वजह से उनको क्रिकेट छोड़कर जॉब करना पड़ा। अब वो मुझमें अपने सपनों को देखते हैं। मेरी प्रैक्टिस प्रभावित न हो, इसलिए उन्होंने जॉब भी बदल लिया था। ढुल ने बताया कि पापा कॉस्मेटिक कंपनी में काम करते हैं। उन्हें हमेशा ट्रैवल करना पड़ता था। वे समय नहीं दे पाते थे। मेरी प्रैक्टिस पर ध्यान नहीं दे पाते थे। इसलिए उन्होंने जॉब बदल दिया। उस दौरान घर की आर्थिक स्थिति पर इसका असर पड़ा। पापा ने कई खर्चों में कटौती की, पर मेरे और दीदी पर इसका प्रभाव नहीं पड़ने दिया। उस दौरान दादा की पेंशन से हमारे घर का खर्च चलता था। मेरे दादा आर्मी से रिटायर्ड हैं।

### दादा का भी बड़ा योगदान

यश ने बताया कि पापा जॉब करते थे, ऐसे में क्रिकेट की ट्रेनिंग और मैच में मेरे दादा (जगत सिंह ढुल) जी ही मुझे लेकर जाते थे। मुझे 6 साल की उम्र से बाल भवन और एयर लाइनर क्रिकेट एकेडमी में लेकर जाने लगे। जब तक मैं ट्रेनिंग करता मेरे दादा जी ग्राउंड के बाहर ही बैठकर मेरा इंतजार करते थे। वह कई बार मुझे मैच में भी लेकर जाते थे। वहां वह बैठकर मैच देखते थे। कई बार जब मैं खराब प्रदर्शन करता, तो वह मेरी हौसला अफजाई करते थे। हमेशा कहते थे कि आज खराब खेला है तो क्या हुआ, कल शानदार खेलोगे।

### मां ने पहचानी मेरी प्रतिभा

मैं अन्य बच्चों की तरह क्रिकेट खेलता था। घर में भी हमेशा बैट और गेंद से खेलता रहता था। तब मां ने मेरी क्रिकेट में रुचि को देखकर पापा से एकेडमी में दाखिला कराने के लिए कहा था। क्रिकेट में मेरी रुचि देख पापा घर की छत पर मुझे बैटिंग की प्रैक्टिस कराते थे।

### प्रदीप कोचर ने बनाया बल्लेबाज

यश ने बताया कि वह मीडियम पेसर गेंदबाज बनना चाहते थे, वह गेंदबाजी करते थे, पर एयर लाइनर एकेडमी के कोच प्रदीप कोचर ने उन्हें बल्लेबाज बनाया। उन्होंने ही मुझे बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कहा। उनके मार्गदर्शन की वजह से ही मैं बेहतर बल्लेबाजी की बदौलत अंडर-19 में टीम इंडिया के कप्तान के लायक बन पाया।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजे।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

## न्यूज़ ब्रीफ

### बैंक जमा में उछाल और निकासी का अजीबोगरीब रुझान

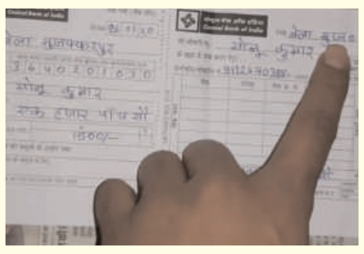

**मुंबई।** पेटीएम और नायिका के सार्वजनिक आरंभिक निर्गम (आईपीओ) की खरीद के लिए बड़ी मात्रा में संभवत- वैश्विक पूंजी का इस्तेमाल किया जा रहा है और साथ ही आयात के लिए उच्च भुगतान किए जा रहे हैं। शायद यही वजह है कि नवंबर 2021 में बैंक जमाओं में बड़ी उछाल और उसके बाद बड़ी मात्रा में निकासी का दौर देखा गया। अर्थव्यवस्था के और गति पकडने् और पूंजी बाजार से अंतरराष्ट्रीय निवेशकों द्वारा धन निकालने से जमा वृद्धि की रफ्तार आगे और सुस्त पड़ सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि वाणिज्यिक बैंकों का जमा 5 नवंबर, 2021 को समाप्त पखवाड़े में 2.1 फीसदी यानी 3.35 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 160.46 लाख करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, उसके अगले पखवाड़े में जमाओं में 1.7 फीसदी यानी 2.67 लाख करोड़ रुपये की तेज गिरावट आई और 19 नवंबर, 2021 को यह 157.8 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। बैंकरों का कहना है कि आमतौर पर जमाओं में तेजी और संकुचन का रुझान तिमाही के समाप्त होने के समय पर नजर आता है। खातों में रकम की वृद्धि तिमाही के अंतिम पखवाड़े में हुई और इसमें संकुचन नई तिमाही के पहले पखवाड़े के अंत में आया। बैंकरों का कहना है कि प्रथम दृष्टि में ऐसा लगता है कि बड़ी रकम यानी कि वैश्विक धन पेटीएम और नायिका के सार्वजनिक निर्गमों के लिए आया। इस प्रक्रिया के पूरा होने पर प्रणाली से पैसा निकल गया जिसके कारण बकाया जमाओं में गिरावट आई। यह स्थिति 19 नवंबर, 2021 को समाप्त पखवाड़े में बनी। ऐसा बार बार होने की संभावना कम रहती है।

### यादा जोखिम के बाद भी एशियाई शेयरों का प्रदर्शन 2022 में रहेगा उम्दा

**मुंबई।** साल 2021 में शानदार बढ़ोतरी के बाद नोमूरा समेत ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने अक्टूबर में भारतीय इक्विटी को डाउनग्रेड कर दिया था। हालांकि अवरोधों के बावजूद ब्रोकरेज को उम्मीद है कि 2022 के अंत तक एशियाई शेयर दो अंकों में रिटर्न देंगे। एमएससीआई एशिया (जापान को छोड़कर) के लिए 2022 के अंत तक का उसका लक्ष्य 925 है, जो मौजूदा स्तर से करीब 18 फीसदी ज्यादा है। उसने कहा कि यह मोटे तौर पर आय में बढ़ोतरी और निचले आधार में इजाफे के चलते होगा। हालांकि 2022 में उसे कुछ जोखिम नजर आ रहे हैं जो भारत समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था व वित्तीय बाजारों को प्रभावित कर सकता है मसलन अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से नीतिगत बदलाव, महंगाई का जोखिम और कोरोना का नया रूप ओमीक्रोन आदि। नोमूरा ने कहा, एशियाई शेयरों में शायद ही अहम गिरावट आएगी क्योंकि हम इस समय मूल्यांकन, पोजिशनिंग और फंडामेंटल देख रहे हैं।

# नया साल सेलिब्रेशन-पर्यटन स्थलों के लिए एडवांस बुकिंग 4 गुना बढ़ी

### अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद होने से घरेलू पर्यटन पर असर नहीं

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

क्रिसमस से शुरू होकर नए साल तक चलने वाले फेस्टिव सीजन के चलते घरेलू पर्यटन उद्योग में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। ज्यादातर प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के लिए एडवांस बुकिंग में 400 फीसदी की बढ़ोतरी दिख रही है। दरअसल, कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के आने से टूरिज्म सेक्टर, टूर-ट्रैवल्स और इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में चिंता थी। इंटरनेशनल उड़ानों पर 31 जनवरी तक रोक बढ़ने से इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) निराश है लेकिन इन कठिनाइयों के बीच घरेलू पर्यटन उद्योग पटरी पर लौट रहा है।

**फेस्टिव सीजन के चलते घरेलू पर्यटन उद्योग में उत्साह**

पर्यटन स्थलों के लिए एडवांस बुकिंग में 400% की बढ़ोतरी

गुलमर्ग, गोवा और शिमला के लिए बुकिंग में तेजी है

दिसंबर में डोमेस्टिक एयर फेयर में 30 फीसदी और इंटरनेशनल एयरफेयर में 50 फीसदी तक बढ़ोतरी के बावजूद क्रिसमस और न्यू ईयर के जश्न के लिए एडवांस बुकिंग में चार गुना तक वृद्धि दिख रही है। ईजमायट्रिप के को-फाउंडर रिकांत पित्ती ने बताया, पिछले साल के मुकाबले इस बार नवंबर-दिसंबर में प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन की बुकिंग 100 फीसदी तक ज्यादा है।

### गुलमर्ग के होटल पूरी तरह बुक

गुलमर्ग, गोवा, उदयपुर, जयपुर, मसूरी, शिमला, नैनीताल, कॉर्बेट, ऋषिकेश और पोर्ट ब्लेयर के लिए बुकिंग में तेजी है। राजा-राणी ट्रैवल्स के चेयरमैन अभिजीत पाटिल बताते हैं कि गुलमर्ग के होटल पूरी तरह बुक हैं। अब टूरिस्ट पहलगाम का रुख कर रहे हैं और वहां भी 80 फीसदी बुकिंग हो गई है। लगभग 60 फीसदी हाउसबोट भी बुक हैं। जम्मू-कश्मीर में फैमिली टूरिस्ट्स का ट्रैफिक ज्यादा रहता है।

### कश्मीर और हिमाचल का रुख सबसे ज्यादा

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स महाराष्ट्र के चेयरमैन जितेंद्र केजरीवाल ने कहा, डोमेस्टिक मार्केट में कोरोना का पहले जैसा डर नहीं है, इसलिए टूरिज्म में तेजी का माहौल है। जेम ट्रैवल्स के वीरेन वोरा ने बताया, दक्षिण अफ्रीका के लिए हमारे यहां से अच्छी बुकिंग शुरू हुई थी। दिवाली के दौरान 60-60 लोगों के दो ग्रुप अफ्रीका गए भी थे। मगर नए वैरिएंट और प्रतिबंध के चलते दिसंबर-जनवरी-फरवरी की इंटरनेशनल बुकिंग कैंसिल करनी पड़ी है। हालांकि घरेलू बुकिंग जारी है। महाराष्ट्र से कुल होने वाली बुकिंग में से 40 फीसदी जम्मू-कश्मीर के लिए हो रही है। 60 फीसदी हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय जाना चाहते हैं। देश की जीडीपी में टूरिज्म सेक्टर का योगदान 5 फीसदी और रोजगार सृजन में 12 फीसदी से अधिक है।

## ब्रिगेडियर लिड्डर की बेटी की लिखी किताब 4 दिन में बिक गई, पर सोशल मीडिया पर पोस्ट के लिए ट्रोल हुईं

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

तमिलनाडु हेलिकॉप्टर हादसे में शहीद होने वाले ब्रिगेडियर एलएस लिड्डर की बेटी आशना अब अपनी बदली हुई जिंदगी के खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजर रही हैं। एक तरफ उनकी लिखी किताब इन सर्च ऑफ अ टाइटल- म्यूजिंग ऑफ अ टीनेजर लोगों में काफी पॉपुलर हो गई है। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उन्हें अपने पिता को श्रद्धांजलि देने पर ट्रोल किया गया। ट्रोलर्स ने आशना के पुराने ट्वीट का जिक्र कर उन्हें ट्वीट किया। आशना अभी इंटरमीडिएट में हैं। वे पिता की इकलौती संतान हैं और उनके बेहद करीब भी थीं। पिता के 8 दिसंबर को निधन के बाद आशना की बुक की डिमांड अचानक इतनी बढ़ी कि वो आउट ऑफ स्टाक हो गई। किताब एक टीनेजर की जर्नी और उसकी सोच और सीखने पर आधारित है। प्रकाशक अब इस किताब की और कॉपियां पब्लिश करने जा रहे हैं।

### पापा के साथ पलों को याद किया था आशना ने

शुक्रवार को दिल्ली के बराड़ स्क्वॉयर में बेटी आशना लिड्डर ने अपने पापा ब्रिगेडियर लिड्डर का अंतिम संस्कार किया। उन्होंने पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, मैंने अपने जीवन के 17 साल उनके (पापा के) साथ बिताए हैं। शायद यही किस्मत में था। हम अच्छी यादों के साथ अपना जीवन आगे बढ़ाएंगे। ये एक बड़ी राष?ट्रीय क्षति है। मेरे पापा हीरो थे, मेरे अच्छे दोस्त थे। वो बहुत खुशमिजाज इंसान थे। सबसे बड़े मोटिवेटर थे। मेरी हर बात मानते थे। हालांकि, अपने पापा को श्रद्धांजलि देने के लिए आशना को सोशल मीडिया पर ट्रोल होना पड़ा। उन्हें ट्रोलर्स ने केंद्र सरकार का नेतृत्व कर रही भाजपा के विरोध वाले विचार रखने के लिए ट्विटर पर लगातार ट्रोल किया गया। उन्हें 'वोक (ड्ढश्रद्मद्ग)' बताया गया। हालांकि कई नेताओं, पत्रकारों और सिविल सोसाइटी से जुड़े लोगों ने इस दौरान आशना का समर्थन भी किया। लेकिन ट्रोलर्स की तरफ से लगातार निशाना बनाए जाने के बाद आखिरकार आशना ने अपना अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया।

Woke शब्द Wake से बना है, जिसका मतलब जागना होता है। इसी तरह Woke का मतलब जागा हुआ, जागृत, चैतन्य या जिसकी अपनी सोच समझ हो। निश्चित रूप से ये कोई निगेटिव टर्म नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया में इन दिनों इस शब्द का काफी इस्तेमाल चिढ़ाने के लिए हो रहा है।

### एल्युमीनियम उत्?पाद आयात पर शुल्क वृद्धि की सिफारिश

**नई दिल्ली।** देश में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादों के सस्ते आयात को हतोत्साहित करने के लिए खान मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय को लिखित सिफारिश की है। खान मंत्रालय ने अपनी सिफारिश में कहा है कि इन उत्पादों पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 10 फीसदी किया जाना चाहिए। उद्योग के सूत्रों ने आज यह जानकारी दी है। फिलहाल, सिल्लियों और गुटकों जैसे प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादों पर 7.5 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाता है। इस मामले से करीब से जुड़े सूत्रों ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, %बताया जाता है कि इस हफ्ते घरेलू एल्युमीनियम उद्योग की निजी कंपनियों ने खान मंत्रालय के माध्यम से वित्त मंत्रालय से संपर्क कर आयात शुल्क में इजाफा करने का अनुरोध किया था हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांत लिमिटेड घरेलू बाजार में निजी एल्युमीनियम उत्पादक हैं जबकि नैशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) सरकारी क्षेत्र की कंपनी है।

## 50 करोड़ रु से अधिक के लेनदेन पर एलईआई नंबर

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि कंपनियों को अक्टूबर 2022 से विदेशों में 50 करोड़ रुपये या अधिक राशि के लेनदेन के लिए 20 अंकों वाले वैध इकाई पहचानकर्ता (एलईआई) नंबर का उल्लेख करना होगा। एलईआई वित्तीय लेनदेन के लिए पक्षों की पहचान सुनिश्चित करने वाला 20 अंकों का एक नंबर होता है। वित्तीय आंकड़े से जुड़ी प्रणालियों की गुणवत्ता एवं सटीकता सुधारने के लिए पूरी दुनिया में इसका इस्तेमाल किया जाता है। आरबीआई ने अपने एक परिपत्र में कहा कि भारत में स्थित कंपनियों को बैंकों से 50 करोड़ रुपये या अधिक राशि के विदेश में लेनदेन के लिए एक अक्टूबर 2022 से एलईआई नंबर लेने होंगे। यह प्रावधान फेमा (विदेशी विनिमय प्रबंधन कानून) कानून, 1999 के तहत किया गया है। आरबीआई ने कहा कि विदेशी इकाइयों के संदर्भ में एलईआई की कोई सूचना उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में बैंक लेनदेन को पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय बैंक भारतीय वित्तीय प्रणाली में एलईआई को चरणबद्ध ढंग से लागू कर रहा है। वह ओटीसी डेरिवेटिव, गैर-डेरिवेटिव बाजारों, बड़ी कॉरपोरेट उधारी लेने वालों और ऊंचे मूल्य वाले लेनदेन में शामिल पक्षों के लिए एलईआई की व्यवस्था लागू करता रहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि बैंक कंपनियों को एक अक्टूबर 2022 से पहले भी 50 करोड़ रुपये से अधिक के विदेशी लेनदेन के लिए एलईआई नंबर जारी कराने को प्रोत्साहित कर सकते हैं। हालांकि एक बार एलईआई नंबर जारी होने के बाद कंपनी को अपने सभी आकार के लेनदेन में उसका उल्लेख करना जरूरी होगा।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तंभ।

**मेरे लोग, मेरा विधान**

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

## औद्योगिक उत्पादन में गिरावट

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर अक्टूबर में मामूली घटकर आठ माह के निचले स्तर 3.2 फीसदी पर रही, जो सितंबर में 3.3 फीसदी थी। त्योहारी मौसम के बावजूद पूंजीगत वस्तुओं और वाहन क्षेत्र के कम उत्पादन से विनिर्माण क्षेत्र का प्रदर्शन कमतर रहा। पिछले साल कोविड संबंधित लॉकडाउन में ढील के बाद उत्पादन बढने् की वजह से आधार सामान्य होने के कारण भी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि सुस्त पड़ी है। अक्टूबर 2020 में आईआईपी 4.5 फीसदी बढ़ा था जबकि सितंबर 2020 में 1 फीसदी की तेजी आई थी। हालांकि सितंबर 2021 के आईआईपी आंकड़े को संशोधित कर 3.1 फीसदी से बढ़ाकर 3.3 फीसदी कर दिया गया। ऐसे में अगर अस्थायी आंकड़ों से तुलना करें तो सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में उद्योगों का उत्पादन बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 8.4 फीसदी वृद्धि के बाद भी आंकड़ों से व्यापक सुधार की उम्मीद नहीं जगती है। चालू वित्त वर्ष के पहले सात

महीने में औद्योगिक उत्पादन 20 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले साल समान अवधि में इसमें 17.3 फीसदी का संकुचन आया था। पिछले साल कम आधार की वजह से पहली तिमाही में इसमें जोरदार उछाल देखी गई। ई-वे बिल जारी करने के आंकड़ों को देखें तो नवंबर में औद्योगिक गतिविधियों में और नरमी आ सकती है। नवंबर में ई-वे बिल अक्टूबर के 7.45 करोड़ से घटकर 6.15 करोड़ रह गए। इसका मतलब है कि तीसरी तिमाही के पहले दो महीनों में औद्योगिक गतिविधियों की वृद्धि नरम हुई है और तीसरी तिमाही में इसका असर जीडीपी के आंकड़ों पर भी दिख सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पहले ही जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.8 फीसदी से घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। अक्टूबर में खनन और बिजली उत्पादन में इजाफा हुआ है जबकि विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार नरम पड़ी है। विनिर्माण के अंतर्गत वाहनों के उत्पादन में गिरावट जारी रही। इस क्षेत्र में अक्टूबर में 12.6 फीसदी की गिरावट आई जो पिछले महीने की 9 फीसदी गिरावट से अधिक है। इसके साथ ही परिवहन उपकरणों के उत्पादन में भी 15.6 फीसदी की गिरावट आई है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, %वाहन क्षेत्र में आपूर्ति पक्ष की समस्या के कारण अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े कम रहे। इसके साथ ही ज्यादा आधार का भी असर पड़ा है। पूंजीगत और उपभोक्ता वस्तुओं विशेषकर ड्यूरेबल्स के उत्पादन में ज्यादा उम्मीद नहीं दिखती। अक्टूबर में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 1.1 फीसदी घटा है जबकि अक्टूबर में यह 2.4 फीसदी बढ़ा था। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के उत्पादन में 6.1 फीसदी की गिरावट आई। नायर ने कहा कि ये आंकड़े टिकाऊ सुधार के स्पष्ट संकेत नहीं देते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।